साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 248 | जौनपुर, मंगलवार, 04 जून 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

यूपी में 81 जगहों पर होगी मतगणना

लखनऊ, संवाददाता। लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम को लेकर होने वाली मतगणना की तैयारियों पर यूपी के डीजीपी प्रशांत कुमार ने कहा कि मतगणना की सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जिस तरह से मतदान शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ वैसे ही मतगणना भी शांतिपूर्वक होगी। प्रदेश में 81 जगहों पर मतगणना की जाएगी। कई जिलों में एक से अधिक मतगणना केंद्र बनाए गए हैं। केंद्रीय चुनाव अयोग के निर्देशानुसार, सुरक्षाकर्मियो की तैनाती की गई है। उन्होंने कहा कि मतगणना के सबसे अंदरूनी घेरे की सुरक्षा केंद्रीय सुरक्षा बलों द्वारा की जाएगी। मध्यम घेरे की सुरक्षा पीएसी द्वारा की जाएगी और बाहरी घेरे की सुरक्षा के लिए लोकल पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सात चरणों में मतदान हिंसामुक्त और शांतिपूर्ण तरीके से हुआ है। यह प्रशासन के निष्पक्ष तरीके से भी काम करने का प्रमाण है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने की मतगणना की तैयारियों की समीक्षा

लखनऊ, संवाददाता। लोकसभा चुनाव संपन्न होने के साथ ही भाजपा अब मतगणना की तैयारियों की समीक्षा में जुट गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी की अध्यक्षता में इस संबंध में पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में हुई बैठक हुई। इसमें पार्टी कार्यकर्ताओं को मतगणना के दिन मुस्तैद रहकर मतों की गिनती पर पैनी नजर रखने को कहा गया है। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष के अलावा महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह, चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक स्वतंत्र देव सिंह और सह संयोजक जेपीएस राठौर ने चुनाव प्रबंधन में जुड़े कार्यालय के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ भी बैठक की। चारों नेताओं ने चुनाव में बेहतर काम करने के लिए प्रदेश मुख्यालय से लेकर बूथ स्तर तक के पदाधिकारियों के प्रति आभार जताया।

लोगों की इच्छा प्रबल होगी और भाजपा सत्ता से बाहर हो होगी – जयराम

नई दिल्ली, एजेसी। चुनाव आयोग ने सोमवार को कांग्रेस नेता जयराम रमेश के उस अनुरोध को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ अपने आरोपों का ब्यौरा देने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा था। रमेश ने आरोप लगाया था कि शाह ने लोकसभा चुनाव के लिए मतदान समाप्त होने के बाद देश भर के 150 जिलाधिकारियों को फोन किया था। रमेश ने कहा था "अब तक उन्होंने उनमें से 150 से बात की है। यह स्पष्ट और बेशर्मी भरा धमकाना है, जो दिखाता है कि भाजपा कितनी हताश है।

सीएम नीतीश ने की पीएम मोदी से मुलाकात

बिहार, एजेसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लोकसभा चुनाव के नतीजे आने से एक दिन पहले सोमवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान दोनों वरिष्ठ नेताओं के बीच क्या बात हुई, इस बारे में आधिकारिक रूप से कोई जानकारी नहीं दी गई है। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाला जनता दल (यूनाइटेड), राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा है। माना जा रहा है कि बिहार में जद (यू) की लोकप्रियता में हाल के वर्षों में कुछ गिरावट आई है। इसके बावजूद कुमार के नेतृत्व वाली यह पार्टी एक प्रमुख राजनीतिक ताकत है। लोकसभा चुनाव में इस बार बिहार में राजग ने एक साथ चुनाव लड़ा है। इस गठबंधन में भाजपा और जद(यू) के अलावा चिराग पासवान और पशुपति पारस के नेतृत्व वाली लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा), पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी की अगुआई वाला हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) और पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय लोक मोर्चा शामिल हैं। वहीं, विपक्षी गठबंधन की अगुआई प्रदेश में राष्ट्रीय जनता दल कर रहा है। इसमें कांग्रेस और वामपंथी दल शामिल हैं।

सीएम योगी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को शत प्रतिशत लागू करने का किया आह्वान

गोरखपुर, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की शैक्षिक व चिकित्सकीय समेत सभी संस्थाओं ने हमेशा अपने–अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए समाज और राष्ट्र के हित में अपनी उपयोगिता प्रमाणित की है। उन्होंने कहा कि अब जरूरत है कि हमारी संस्थाएं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों को शत प्रतिशत अपनाकर अन्य संस्थाओं के लिए रोल मॉडल बनें। सीएम योगी रविवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की सभी संस्थाओं की वार्षिक समीक्षा और भावी कार्ययोजना को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने सभी संस्थाओं के प्रमुखों से उनकी सालभर की गतिविधियों और

उपलब्धियों की जानकारी ली और आगामी कार्ययोजना को लेकर उनके लक्ष्यों पर अपने सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा करते हुए सभी संस्थाएं परिसर संस्कृति को समृद्ध करने और निरंतर नवाचार पर ध्यान देने की तरफ अग्रसर हों। इस शिक्षा परिषद की संस्थाओं ने सामाजिक सहभाग को भी अपने ध्येय का हिस्सा बनाया है और भविष्य में इसका दायरा और विस्तृत करने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की संस्थाओं ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अंगीकार करने में अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद सिर्फ स्कूल, कॉलेज या अस्पताल खोलने वाली संस्था नहीं है। बल्कि इसका ध्येय शिक्षा, स्वास्थ्य व अन्य सेवाओं के माध्यम से समाज और राष्ट्र के सामाजिक विकास में योगदान देना है। इस परिषद की नींव ही इसी भावना के साथ राष्ट्रीयता की भावना का पोषण करने के लिए, राष्ट्र हित में सुयोग्य नागरिक तैयार करने के लिए रखी गई।

चुनावी प्रक्रिया की अखंडता को कमजोर करने की कोशिश कर रहा विपक्ष – पीयूष

नई दिल्ली, एजेसी। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ, मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य अधिकारियों से मिलने के लिए चुनाव आयोग गए। गोयल ने आरोप लगाया कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और उसके इंडिया गठबंधन सहयोगियों के नेतृत्व में कुछ राजनीतिक दल, कुछ नागरिक समाज समूहों और गैर सरकारी संगठनों के साथ मिलकर चुनावी प्रक्रिया को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं।

नतीजों से पहले जेपी नड्डा के आवास पर बड़ी बैठक, अमित शाह और राजनाथ सिंह रहे मौजूद

नई दिल्ली, एजेसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को नई दिल्ली में भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा के आवास पर पार्टी के शीर्ष नेताओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। यह बैठक लोकसभा चुनाव नतीजों की घोषणा से एक दिन पहले हुई है। बैठक में गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल हुए। अन्य उपस्थित लोगों में विनोद तावड़े, मनोहर लाल खट्टर, अश्विनी वैष्णव, तरुण चुघ, शिव प्रकाश, मनसुख मंडाविया और बीएल संतोष थे। समझा जाता है कि उन्होंने एग्जिट पोल में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की बड़ी जीत की भविष्यवाणी के बाद मौजूदा राजनीतिक स्थिति का जायजा लिया है,और विपक्षी इंडिया ब्लॉक की बैठकों की श्रृंखला ने पूर्वानुमानों को खारिज कर दिया है और अपने दावे पर अड़े हुए हैं कि प्रधा मंत्री नरेंद्र मोदी– के नेतृत्व वाली सरकार अपने रास्ते पर है।

हालांकि बैठक के बारे में भाजपा की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। लेकिन समझा जाता है कि इसके वरिष्ठ नेताओं ने विपक्ष से मुकाबला करने की रणनीति पर भी विचार–मंथन किया। भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को चुनाव आयोग से संपर्क किया था और कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर भारत की चुनावी प्रक्रिया की अखंडता को कमजोर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया था और आयोग से वोटों की गिनती के दौरान हिंसा और अशांति के किसी भी प्रयास को रोकने का आग्रह किया था।

हम अच्छे कार्यों को जारी रखेंगे - पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेसी। लोकसभा चुनाव के नतीजे में एनडीए को मिली बहुमत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया है। अपनी ट्वीट के जरिए उन्होंने आभार जताया है। साथ ही साथ उन्होंने यह भी कहा है कि हम अच्छे कार्यों को जारी रखेंगे। दरअसल, लोकसभा चुनाव 2024 के आज नतीजे आ रहे हैं। अब तक के रुझानों के हिसाब से भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन ने 290 सीटों पर बढ़त बना रखी है। भाजपा 240 के आसपास सीटों पर अपने दम पर जीत रही है। इसका मतलब साफ है कि भाजपा 2014 और 2019 की तरह अपने दम पर बहुमत हासिल नहीं कर रही है। इस बार भाजपा को अपने सहयोगियों को साथ में रखकर सरकार चलाने की कोशिश करनी पड़ेगी। इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन शानदार रहा है। इसलिए इंडिया गठबंधन के लिए भी विकल्प खुले दिखाई दे रहे हैं। इन सब के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ट्वीट आया है। अपने ट्वीट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिखा कि जनता ने लगातार तीसरी बार एनडीए पर भरोसा जताया है! यह भारत के इतिहास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि मैं इस स्नेह के लिए जनता जनार्दन को नमन करता हूं और उन्हें विश्वास दिलाता हूं कि हम जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पिछले दशक में किए गए अच्छे कार्यों को जारी रखेंगे। मैं अपने सभी कार्यकर्ताओं को उनकी कड़ी मेहनत के लिए भी सलाम करता हूं। शब्द कभी भी उनके असाधारण प्रयासों के साथ न्याय नहीं कर पाएंगे। एक और ट्वीट में मोदी ने लिखा धन्यवाद ओडिशा! यह सुशासन और ओडिशा की अनूठी संस्कृति का जश्न मनाने की एक शानदार जीत है। भाजपा लोगों के सपनों को पूरा करने और ओडिशा को प्रगति की नई ऊंचाइयों पर ले जाने में कोई कसर नहीं

छोड़ेगी। मुझे हमारे सभी मेहनती पार्टी कार्यकर्ताओं पर उनके प्रयासों के लिए बहुत गर्व है। आंध्र प्रदेश को लेकर भी उन्होंने ट्वीट किया। उन्होंने लिखा कि आंध्र प्रदेश ने एनडीए को असाधारण जनादेश दिया है! मैं राज्य की जनता को उनके आशीर्वाद के लिए धन्यवाद देता हूं। इस जोरदार जीत के लिए मैं चंद्रबाबू नायडू, पवन कल्याण गारू और भाजपा कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूं।

आतिशी ने दिल्ली को अतिरिक्त पानी देने के लिए उ0प्र0 और हरियाणा के मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

नई दिल्ली, एजेसी। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर उनसे अनुरोध किया है कि वे राष्ट्रीय राजधानी में गहराए जल संकट के मद्देनजर एक महीने के लिए अतिरिक्त पानी छोड़ें। आतिशी ने जोर देकर कहा कि वर्तमान में दिल्ली जल संकट से जूझ रही है और गर्मी के कारण पानी की मांग पिछले वर्षों की तुलना में काफी बढ़ गई है। उन्होंने हरियाणा के मुख्यमंत्री सैनी को 31 मई को लिखे पत्र में कहा, राजधानी में तापमान लगभग 50 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है और यहां जल संसाधनों के मामले में स्थिति खराब है। मौजूदा संकट से निपटने के लिए हमें हरियाणा से जल्द से जल्द यमुना नदी में अतिरिक्त पानी छोड़े जाने की जरुरत है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में जल मंत्री आतिशी ने भीषण गर्मी की गंभीरता के मद्देनजर मदद करने की जरुरत पर जोर दिया। उन्होंने पत्र में लिखा, महोदय, इस पत्र के माध्यम से मैं आपसे अपील करना चाहती हूं कि कृपया हमारे अनुरोध पर विचार करें और अगले एक महीने के लिए दिल्ली को अतिरिक्त पानी उपलब्ध कराएं ताकि दिल्ली में रहने वाले लोगों को इस भीषण गर्मी से राहत मिल सके। आतिशी ने कहा, दिल्ली सरकार और राष्ट्रीय राजधानी में रहने वाले लोगों को आपकी ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया का इंतजार है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली ईकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आतिशी पर जल संकट के नाम पर राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में पानी की कोई कमी नहीं है क्योंकि हरियाणा और उत्तराखंड दोनों ही दैनिक आधार पर अतिरिक्त पानी दे रहे हैं और इसकी पुष्टि दिल्ली जल बोर्ड के रिकॉर्ड से की जा सकती है। इसी बीच हरियाणा के मुख्यमंत्री सैनी ने रविवार को दिल्ली सरकार के इस आरोप को खारिज कर दिया कि उनका राज्य दिल्ली को उनके हिस्से का पानी नहीं दे रहा है। उन्होंने बताया कि उनकी सरकार राजधानी को तय मात्रा से अधिक पानी छोड़ रही है।

एनडीए 400 पार के लक्ष्य को हासिल करेगी – अर्जुनराम

बीकानेर, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने इंडिया गठबंधन पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने इंडिया गठबंधन को ठगबंधन बताया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि 4 जून को एनडीए 400 पार के लक्ष्य को हासिल करने वाली है। अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि जनता ने मन बना लिया है कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री के पद पर बैठेंगे। एग्जिट पोल के रुझान भी ऐसे ही आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के 370 और एनडीए के 400 के लक्ष्य को हम 4 जून को हासिल करेंगे। शनिवार को इंडिया गठबंधन की हुई बैठक पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि मीटिंग क्यों बुलाई गई थी, ये हमें समझ नहीं आया।

पूरी उम्मीद है कि चुनावी नतीजे 'एग्जिट पोल' से बिल्कुल विपरीत होंगे – सोनिया

नई दिल्ली, एजेसी। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने की उम्मीद जताई है। सोमवार को सोनिया गांधी ने कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि एग्जिट पोल जो कह रहा है, चुनाव के नतीजे इसके बिल्कुल विपरीत होंगे। सोनिया गांधी सोमवार को तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री करुणानिधि की जन्म शताब्दी पर उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंची थी।

करुणानिधि को श्रद्धांजलि देने के बाद जब उनसे चुनाव नतीजों और सरकार गठन को लेकर प्रश्न किया गया तो उन्होंने 4 जून को आने वाले नतीजों का इंतजार करने को कहा। सोनिया ने कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि एग्जिट पोल जो कह रहा है, चुनाव नतीजे उससे एकदम अलग होंगे। एग्जिट पोल में एनडीए को बढ़त मिलने का अनुमान लगाया गया है। 2004 में सभी एग्जिट पोल ने वाजपेयी सरकार को बहुमत दिया था, मगर सरकार यूपीए गठबंधन की बनी थी। कांग्रेस का कहना है कि इंडिया गठबंधन को 295 से ज्यादा सीटें मिलेंगी। लोकसभा चुनाव की मतगणना की तैयारियों को लेकर रविवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों, विधायक दल के नेताओं और पार्टी प्रत्याशियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बैठक भी की थी।

चुनाव आयोग ने कहा, मतगणना की पूरी व्यवस्था, हिंसा रोकने की तैयारी पुख्ता

नई दिल्ली, एजेसी। लोकसभा चुनाव 2024 का मतदान समाप्त होने के साथ ही चुनाव आयोग ने यह माना है कि चुनाव इतनी गर्मी में नहीं करवाए जाने चाहिए। आयोग के मुताबिक इस चुनाव से उन्हें यह सीख मिली है कि चुनाव एक महीना पहले खत्म हो जाने चाहिए। इसके साथ ही चुनाव आयोग ने कहा कि चुनाव उपरांत हिंसा न हो, इसके लिए पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में पैरा मिलिट्री फोर्सेज यथावत बनी रहेगी। हालांकि यह अर्धसैनिक बल अब राज्य सरकार के नियंत्रण में होंगे, लेकिन मुख्य चुनाव आयुक्त ने उम्मीद जताई कि राज्य चुनाव के पश्चात किसी भी हिंसा को नहीं होने देंगे। मतदान के दौरान दिए जाने वाले फार्म 17 सी को देने में न कोई देरी हुई है न कोई गड़बड़ी। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने सोमवार को यह जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मतगणना की पूरी वीडियोग्राफी करवाई जाएगी। मतगणना केंद्र पर राजनीतिक पार्टियों के एजेंट को बैठने और तथ्य नोट करने की पूरी स्वतंत्रता है। पोस्टल बैलेट की गिनती उसी प्रकार की जाएगी जैसे 2019 से लेकर अब तक विभिन्न चुनाव में की जा रही है। अमूमन पोस्टल बैलेट की संख्या कम होती है और उनकी गिनती पहले समाप्त हो जाती है। गौरतलब है कि विपक्ष ने वीडियोग्राफी, उम्मीदवारों के एजेंटों की मौजूदगी, पोस्टल बैलेट आदि के विषय रविवार को चुनाव आयोग के समक्ष रखे थे। मुख्य चुनाव आयुक्त ने मतगणना से ठीक 1 दिन पहले की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि लोकसभा चुनाव में इस बार 64 करोड़ 20 लाख से ज्यादा मतदाताओं ने वोट डाले। चुनाव

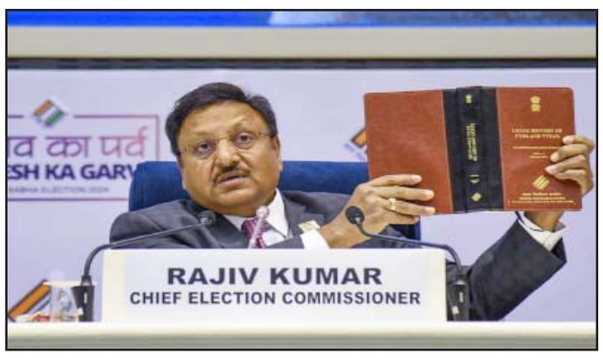

आयोग ने इसे एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा, हमने एक विश्व रिकॉर्ड बनाया है। इन 64 करोड़ मतदाताओं में से 31 करोड़ महिला मतदाता हैं। इसके साथ ही 85 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग मतदाताओं ने भी बड़ी संख्या में वोट दिया। चुनाव आयोग ने कहा कि वोटों की गिनती के दौरान पूरी वीडियोग्राफी कराई जाएगी, रिटर्निंग ऑफिसर के टेबल पर राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों को बैठने की मंजूरी दी गई है। मतगणना की पूरी प्रक्रिया करीब 70–80 लाख लोगों के बीच होनी है ऐसे में कोई प्रॉब्लम नहीं हो सकती। उन्होंने बताया कि मतदान के उपरांत फार्म 17 सी की कॉपी सभी उम्मीदवारों के एजेंट को दी गई है। मतगणना से पहले मशीन की स्लिप और टैग का वेरीफिकेशन होगा। जिन्हें मतदान केंद्र पर फार्म 17 सी देना था वहां किसी भी व्यक्ति ने कोई शिकायत नहीं की। अब इस तरह की बातों को उन्होंने एक फर्जी नैरेटिव बताया। मतगणना से ठीक 1 दिन पहले चुनावी प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि चुनाव के दौरान महिलाओं की गरिमा का पूरा सम्मान किया गया। बुजुर्गों के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए 85 वर्ष से आयु के अधिक के मतदाताओं के घर पर जाकर उनका वोट लिया गया। चुनाव के दौरान मणिपुर में 94 स्पेशल बूथ बनाए गए थे और यहां शांतिपूर्ण तरीके से मतदान हुआ। देशभर में मतदान प्रक्रिया को समर्थन के लिए आईपीएल, सचिन तेंदुलकर, इंडियन रेलवे, पेट्रोल पंप, देश भर के खिलाड़ी व स्टार्टअप समेत कई ब्रांड और संस्थाओं ने चुनाव आयोग के साथ मिलकर काम किया। उन्होंने कहा कि देश में चुनाव के दौरान कहीं भी हिंसा की वारदात नहीं हुई। जबकि पहले झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र जैसे राज्यों से हिंसा की घटनाएं सामने आई थी। इस बार चुनाव में मसल, मिस इनफॉरमेशन और मनी पावर का दुरुपयोग नहीं होने दिया गया। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि इस चुनाव में करीब 1054 करोड़ रुपए कैश, 898 करोड़ रुपए की शराब, 1459 करोड़ रुपए की कीमती धातुएं, 2198 करोड़ रुपए की फ्रीबी जब्त की गई। उन्होंने कहा, कुछ लोगों के हेलीकॉप्टर की जांच होने पर काफी हल्ला मचा, लेकिन चुनाव आयोग से जुड़े कर्मचारियों ने बिना डरे सभी के हेलीकॉप्टर की जांच की। फिर चाहे वह केंद्रीय मंत्री हों, मुख्यमंत्री हों, राजनीतिक पार्टियों के अध्यक्ष हों या फिर कोई और हो। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि विपक्ष के नेताओं द्वारा मतगणना को लेकर कई मांगें उनके समक्ष रखी गई थी। जैसे कि वीडियोग्राफी कराना, उम्मीदवारों के एजेंटों को बैठने की जगह देना आदि। उन्होंने कहा कि यह सभी कार्य किए जाएंगे इसके अलावा भी यदि किसी की कोई शिकायत है।

संपादकीय

गलतियां सुधारना जरूरी

इस बार का चुनाव बहुत ही कठिन रहा और पूरी प्रक्रिया बहुत लंबी। इसके परिणाम कुछ ही दिनों में आ जाएंगे। जो भी पार्टी या गठबंधन अगली सरकार बनाएगा, उसे उन गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, जिन्हें चुनाव अभियान ने पीछे धकेल दिया है। भारत के सामने आज गलतियों की एक लंबी लिस्ट है, जिसे अच्छी तरह सुधारा नहीं गया तो एक गणतंत्र के रूप में हमारा भविष्य कमजोर हो सकता है।

पहली गलती पार्टी प्रणाली का भ्रष्टाचार है। ऐसा माना जाता है कि राजनीतिक दलों में आंतरिक लोकतंत्र होता है, जिसमें नेता स्वतंत्र रूप से चुने जाते हैं और वे अपनी पार्टी के सहयोगियों के प्रति जवाबदेह होते हैं। भारतीय राजनीति आज इस मॉडल से बिल्कुल अलग है। यहां राजनीतिक पार्टियां या तो व्यक्तित्व के साये तले हैं या एक पारिवारिक फर्म बन गई हैं। व्यक्तित्व के साये तले वाली बात का ज्वलंत उदाहरण भारतीय जनता पार्टी है। पिछले एक दशक में पूरी पार्टी और सरकारी तंत्र का बड़ा हिस्सा नरेंद्र मोदी को दिव्य व्यक्तित्व वाला बनाने में जुटा रहा है। हालांकि भौगोलिक तौर पर अपने सीमित क्षेत्रों में पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी, केरल में पिनाराई विजयन, दिल्ली में अरविंद केजरीवाल, आंध्र प्रदेश में जगन मोहन रेड्डी और ओडिशा में नवीन पटनायक जैसे मुख्यमंत्री भी इसी तरह से काम कर रहे हैं। कुछ इस तरह कि मानो वे ही शासन करते रहेंगे। लोकतांत्रिक संस्थाओं का दिखावा करने वाली पारिवारिक पार्टियां भी इसके लिए कम जिम्मेदार नहीं हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि कांग्रेस इसके लिए मुख्य रूप से दोषी है। उसने पार्टी के लिए दशकों तक काम करने वालों को नजरअंदाज कर प्रियंका गांधी को रातों–रात महासचिव बना दिया। गांधी परिवार से पीछे न रह जाएं, इस वजह से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुलबर्गा की अपनी पुरानी सीट अपने दामाद को दे दी, जबकि उनका एक बेटा पहले से ही कर्नाटक में कैबिनेट मंत्री है। इसी तरह राष्ट्रीय जनता दल बिहार में, सपा उत्तर प्रदेश में और डीएमके तमिलनाडु में ऐसी पार्टियां हैं, जो एक ही परिवार के नियंत्रण में रही हैं। यह सोचने पर मजबूर करता है कि जिस ब्रिटेन की राजनीतिक प्रणाली को हमने अपनाया, उससे हम कितने अलग हैं। प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के सामने कोई धर्म–पंथ नहीं है। मुख्य विपक्षी लेबर पार्टी के नेता केर स्टार्मर किसी राजनीतिक परिवार से नहीं आते हैं। वे दोनों आज जिस मुकाम पर हैं, वहां अपनी मेहनत और पार्टी के सहयोगियों के समर्थन से हैं। जब भी वे समर्थकों का विश्वास खो देंगे, बिना किसी हंगामे के अपना पद छोड़ देंगे और उनकी जगह पर ऐसे व्यक्ति को चुना जाएगा, जो किसी राजनीतिक वंशावली से नहीं होगा। भारतीय लोकतंत्र की विश्वसनीयता इस बात से भी और कम हुई है कि नागरिकों को बिना मुकदमे के जेल में डाला जा सकता है और वर्षों तक जेल में रखा जा सकता है। कानूनों का उपयोग राजनीतिक विरोधियों ही नहीं, बल्कि किसी भी तरह की असहमति जताने वालों को डराने और चुप कराने के लिए किया जाता है। इस तरह के दुरुपयोग में अदालतें भी शामिल हैं। संक्षेप में यही कहा जा सकता है कि हमारी राजनीतिक कमियां दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के दावों के आडंबरों के पीछे छिपी हैं। दूसरा दावा विश्व की सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था का है। हालांकि आर्थिक उदारीकरण की वजह से गरीबी में तो कमी आई है, लेकिन इससे असमानता भी बड़े पैमाने पर बढ़ी है। रोजगार में बढ़ोतरी नहीं हुई। शिक्षित वर्गों में सबसे ज्यादा बेरोजगारी है और श्रमबल में महिलाओं की भागीदारी बहुत कम है। भारत की अर्थव्यवस्था मिश्रित है और इसके पर्यावरणीय रिकॉर्ड विनाशकारी रहे हैं। आर्थिक तौर पर भारत के सबसे 'समृद्ध शहर' बेंगलुरु में जल संकट और भारत के 'वैश्विक उत्थान' वाले शहर नई दिल्ली में वायु प्रदूषण की उच्च दर इस बात का प्रतीक है कि हमने संसाधनों का कितना दुरुपयोग किया है। जैसा कि मैंने पहले लिखा है, हमारे लिए एक बड़ा मुद्दा पर्यावरण संकट है। जहरीली हवा, गिरता जल स्तर, दूषित मिट्टी और विलुप्त होती जैव विविधता की वजह से करोड़ों भारतीयों की आजीविका और सेहत खतरे में पड़ गई है और ये भविष्य के बारे में गंभीर सवाल उठा रहे हैं कि क्या हमारे औद्योगिक और आर्थिक संसाधन टिकाऊ हैं?

कई दशकों तक सत्ता में रही कांग्रेस पार्टी की जिम्मेदारी इसमें सबसे अधिक बनती है। उसका कहना है कि 2014 में जब नरेंद्र मोदी ने सत्ता संभाली, उसके बाद से स्थिति और खराब होती गई। हम जिसे सांप्रदायिक समस्या कहते हैं, वह भी कोई नई नहीं है। पाकिस्तान बनने के बाद जो मुसलमान भारत में रह गए, उन्हें पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने यह कहते हुए आश्वस्त किया था कि पाकिस्तान में जो भी अधिकार दिए गए हैं, वही समान नागरिक अधिकार यहां भी दिए जाएंगे। लेकिन उन्हें अक्सर संदेह की दृष्टि से देखा गया। धर्मों के बीच की यह खाई राजीव गांधी के शासनकाल में बढ़ती गई, क्योंकि उन्होंने हिंदू और मुस्लिम, दोनों के बीच कट्टरता को बढ़ावा दिया। 2014 के बाद से भारत के सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय में असुरक्षा की भावना कई गुना बढ़ गई, क्योंकि स्वतंत्र राष्ट्र के इतिहास में पहली बार केंद्र में सत्तारूढ़ दल ने अपनी हिंदू बहुसंख्यकवादी महत्वाकांक्षा को स्पष्ट कर दिया था। राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन में धर्म का बोलबाला बढ़ गया।

आधुनिकता और विकास की अंधी दौड़ - और प्रकृति से होता खिलवाड़

रीना

भारत की इस धरती पर मौजूद समस्त जीवधारियों में केवल हम मनुष्य ही है जो कि विवेकशील प्राणी कहा जाता है और हम विवेकशील ही प्रकृति के लिए असंतुलन की स्थिति उत्पन्न करते है। अपने स्वार्थ सिद्धि के लिए विकास के नाम पर प्रकृति की अनमोल धरोहर पेड़ों को काट देते हैं अपनी भूख मिटाने के लिए जानवरों को मार कर खा जाते हैं।

पर्यावरण संरक्षण की बात तो बहुत दूर है वर्तमान पर्यावरण को अपनी सुविधा के अनुसार इस्तेमाल करना चाहते हैं।

हम सबको गर्मी में नैनीताल , मसूरी और शिमला तो चाहिए पर हम दस पेड़ भी अपने पूरे जीवन में लगाकर उन्हें बड़ा नहीं करतेहै हां काट जरूर देते हैं। एक व्यक्ति की बात होती तो शायद पृथ्वी भी सब्र कर लेती यहां तो पुरी की पूरी मनुष्यता ही सिर्फ प्रकृति का दोहन करने में लगी है, दोहन कुछ अच्छा शब्द है प्रकृति को खत्म करने में लगी है ।आज हमारी प्रकृति खून के आंसू रो रही है कि काश उसने मनुष्य को विवेकशील ना बनाया होता । आज यदि आधुनिकता वैश्वीकरण और खुद को सभ्य दिखाने की होड़ में प्रकृति से खिलवाड़ ना होता तो शायद इसमें रहने वाले फल–फूल पेड़दृपौधे और जानवर सुरक्षित रहते हैं। पृथ्वी का अपना पर्यावरण तंत्र है उसी प्रकार हर देश की भूमि का अपना पर्यावरण तंत्र और सभी देशों की पारिस्थितिकी ध्ऊर्जाध् ऊष्मा के अन्य कारक होते हैं सभी का अपना जीव मंडल होता है और इसमें संतुलन स्थापित करना बहुत ही आवश्यक है ।आज 21वीं शताब्दी के चरम में पहुंचे हम मनुष्य विकास कि इस अंधी दौड़ में कोरोना जैसी महामारी के आने पर मनुष्यता को खोने के खून के आंसू रोते हैं पर हम यह भूल जाते हैं कि हमने ही यहां के पेड़ काटे ,यहां की नदियों का दोहन किया ,यहां के समुद्र को गंदा किया, यहां के हवा को प्रदूषित किया, पूरी पृथ्वी को पूरी अपने हिस्से में ई धरती को

कूड़े का ढेर बना दिया। यदि आज हमारा दाम आज घुट रहा है तो इसका कारण हम स्वयं है। एक आपदा के बाद दूसरीआपदा और महामारी के आने का इंतजार करते हम मनुष्य, वाकई हम कितने ही सभ्य क्यों न हो जाए पर प्रकृति के प्रकोप के आगे सर विकास और सारी सभ्यता शून्य सिद्ध हो जाती है उसे दिन हमें यह एहसास होता है कि हम मनुष्य प्रकृति की इस सजा के काबिलऔर हकदार हैं।

आज अरबों की जनसंख्या वाले इस देश में इतनी बड़ी आबादी के लिए भोजन बनाने हेतु प्रतिदिन अपेक्षित संसाधनों की व्यवस्था एवं इससे उत्पन्न सकल ऊष्मा का परिमाण ही बहुत ज्यादा है। हमें सांस लेने के लिए अपने उदर की पूर्ति के लिए अपने अंदर उर्जा के संचार के लिए कल पुर्जों बड़े–बड़े उद्योगों और मशीनों की जरूरत नहीं है हमें जरूरत है अनाज कीध् प्राकृतिक संसाधनों की.. जो इसी पृथ्वी के सीने को चीरकर हम प्राप्त करते हैं। जीवन को चलाने के लिए हवा की जो इसी प्रकृति में पौधों के द्वारा छोड़ी गई प्रकाश संश्लेषण की क्रिया के द्वारा ऑक्सीजन के रूप में प्राप्त करते हैं आवश्यकता है पानी की जो यही के पहाड़ों से निकली हुई नदियों झीलों और झरनों से प्राप्त होता है और यदि इससे आगे बढ़े तो इसी पृथ्वी के सीने में छेद करके अत्याधुनिक तकनीक के द्वारा निकाला जाता है। अच्छी फसल उगाने के लिए खतरनाक खाद्य और कीटनाशकों का प्रयोग कर प्राकृतिक ऊर्जा हस्तांतरण के तंत्र को तो हमने बिगाड़ ही दिया है जैविक तंत्र आज पूरी तरह ध्वस्त होने के कगार में है। नदी, तालाब, पोखर खत्म होने को है पानी में पाई जाने वाली बायोलॉजिकल ऑक्सीजन डिमांड का उच्च स्तर है वहां पे जाने वाले जीव जंतु सांस लेने को भी तरस रहे हैं। हवा में ऑक्सीजन का स्तर लगातार कम हो रहा है क्योंकि पेड़ नहीं है और हमने हवा को प्रदूषित करने के लिए लाखों उपकरण तैयार कर रखें ।

हमारे देश के कई राज्य पानी की किल्लत को झेल रहे हैं यह आप सबको पता है पानी अब बोतलों में कैद हो गया है आरो के फिल्टर से छान कर हम खुद के लिए तो स्वच्छ जल उपलब्ध होने का झूठ दबा कर लेते हैं पर यही हाल रहा बढ़ती जनसंख्या का दबाव और प्राकृतिक संसाधनों में पानी की कमी इसी प्रकार जारी रही तो वह दिन भी दूर नहीं जब पानी कैप्सूल के रूप में हमें मिलेगा।

जनसंख्या का बढ़ता दबाव, सीमित संसाधनों की उपलब्धता प्राकृतिक दोहन की एक सीमा आज मनुष्य को विवश करती है कि वह समझे कि यदि उसे आने वाली पीढियां के लिए हवा पानी और भजन इस प्राकृतिक से लेना है तो सस्टेनेबल डेवलपमेंट या अवध ारणात्म विकास की अवधारणा को समझना ही होगा । विकास की अंध ी दौड़ को थोड़ा रुक कर ,थोड़ा भावनाओं युक्त होकर ,थोड़ा दूसरों की चिंता करके पेड़ों को मरने से बचना होगा, सबसे अहम है आज जनसंख्या नियंत्रित किया जाना अत्यंत अपरिहार्य है।

आज पेड़ लगाने की बात, भाषण, कागज, सोशल मीडिया तक सिमट के रह जाती है। पर्यावरण दिवस पर यदि पेड़ लगाए भी जाते हैं तो करोड़ों की संख्या में जो सिर्फ रिकॉर्ड बनाने के लिए या आंकड़ों के लिए तो अच्छा लगता है पर उनमें से कितने पेड़ एक साल तक भी जीवित रहते हैं यह देखने वाला कोई नहीं। इतने पेड़ सोशल मीडिया और फेसबुक ट्विटर में दिखाने के लिए लगा दिए जाते हैं बहुधा तो स्थान का भी अभाव हो जाता है। आदमी कहाँ पेड़ लगाये? यह एक दिन पर्यावरण संरक्षण के नाम पर तय कर लिया जाता है ।किसी भी सरकार की वन्य जीव संरक्षण या कहें पेड़ों को बिना कटे विकास कैसे किया जाए इसकी कोई योजना नहीं है हजारों साल पुराने पेड़ सड़क के चौड़ीकरण हाईवे या विभिन्न प्रकार के रास्तों के निर्माण के लिए काट दिए जाते हैं रोज ही लाखों की संख्या में। आम आदमी को कब तक दोष दिया जाएगा दोषी तो वह नीति निर्माता है जो अरबो रुपए का बजट पर्यावरण संरक्षण के नाम पर जारी तो करते हैं पर हर वर्ष वह कितना हकीकत में खर्च होता है, जमीनी हकीकत क्या है यह आप और हम सभी जानते हैं ।

काश हमारी सरकारों ने कोई आधारभूत संरचना व योजना तैयार की होती तो आज यह देश जहां मौसम की विविधता पाई जाती है सर्दी गर्मी और बरसात हर प्रकार की विविधता है प्रकृति शांति और सुकून है। आज हम कभी ज्यादा गर्मी पड़ने का डर कभी ज्यादा सर्दी पढ़ने का डर ,तो कभी ज्यादा बरसात होने का डर और इस डर का निदान सिर्फ एक है कि हमारे पास वृक्ष , पेड़ पौधों की संख्या लगातार कम होती जा रही है जो इन सब परिस्थितियों से मनुष्यता की रक्षा कर सके। आज हम अपने बच्चों को डायनासोर की कहानी सुनाते हैं कि एक विशाल प्राणी इस पृथ्वी पर रहा करता था पर आज उसका अस्तित्व नहीं।

काश हमारी संवेदनशीलता जाग जाती,हमारी विभिन्न संस्थाएं हैं, जो दूरदर्शिता का परिचय नहीं देती हैं। उदाहरण के लिए सड़क बनाने वाली इकाई सड़क को दोनों तरफ चौड़ा करती है, जिससे दोनों तरफ के परिपक्व एवं पुराने पेड़ खत्म हो जाते हैं आजादी के इतने वर्ष बीत जाने के बाद भी हम अत्याधुनिकता की बातें तो करते हैं पर क्या हमारे पास ऐसे संयंत्र और टेक्नोलॉजी नहीं है कि हम एक पेड़ को जड़ समेत उस स्थान से उठाकर दूसरे स्थान पर प्रतिस्थापित कर सकें, जिससे पेड़ की क्षति भी ना हो ,उसमें रहने वाले जीव जंतु भी सुरक्षित रह सके और पर्यावरण भी संरक्षित रह सके। हमारे द्वारा छोड़ा गया प्रदूषित गंदा जल पवित्र नदियों और समुद्र को प्रदूषित न करता।

विकास की बलिवेदी पर आहत होने वाली मेरी प्रकृति और उसके हरे–भरे पेड़, उनमें से 90: से ज्यादा बच सकते थे, बस जरूरत थी संस्थाओं की, सरकारों की और हम मनुष्यों की संवेदनशीलता के जाग्रत होने की। अगर हम जागरूक न हुए तो एक और थार से भी बड़ा रेगिस्तान आने वाली पीढियां का अपनी शुष्कता और वीरानेपन के साथ दम घोटने के लिए तैयार खड़ा है।

आइए मिलकर पर्यावरण संरक्षण के नाम पर खानापूर्ति, कागजी कार्रवाई और सोशल मीडिया के आगे बढ़कर अपनी सरकारों को मजबूर करें कि वह कुछ तो नीतिगत फैसला ले? सिर्फ गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करने के लिए करोड़ों पेड़ एक दिन में लगाने का नाटक ना करें ।इन पेड़ों को आने वाले 20 वर्षों में कैसे बड़ा वृक्ष बनाया जा सकता है इसकी विधिवत योजना धरातल पर प्रस्तुत करें। करोड़ों का बजट जो कि पर्यावरण के संरक्षण के लिए जारी किया जाता है वह जमीनी स्तर पर कितना लगाया जाता है इसका जवाब भी हम अपनी नीति निर्माता सरकारों से लें। पर्यावरण संरक्षित है, प्रकृति खुश है, संसाधनों का दोहन सीमित है, प्रदूषण का स्तर न्यूनतम है ,तभी हमारा अस्तित्व है वरना वह दिन दूर नहीं जब शायद इस पृथ्वी पर यह कहानी सुनाने वाला भी कोई नहीं बचेगा की एक सबसे प्रबुद्ध प्राणी था मनुष्य।

पड़ोसियों को चुनौती देने की हठधर्मिता

संजय

कुछ स्वयंभू विशेषज्ञ बता रहे हैं कि चीन महाशक्ति देश के रूप में अमेरिका की जगह लेना चाह रहा है, इसलिए उसके पास भारत के खिलाफ षड्यंत्र रचने का समय नहीं है। यह सरासर बकवास है। चीन यह बात अच्छी तरह से समझता है कि भारत को कमजोर किए बिना दुनिया पर वर्चस्व कायम करने की उसकी मंशा कभी पूरी नहीं हो सकती है। इसलिए सैन्य से लेकर आर्थिक और मानचित्रण तक–वह भारत के खिलाफ हर तरह की आक्रामकता आजमाने का प्रयास करता है। उसके योजनाकार भारत के खिलाफ साजिश रचने पर काफी समय खर्च करते हैं। चीन की तीन युद्ध रणनीति का काफी विश्लेषण किया गया है, जो झाउ वंश के रणनीतिकार सन त्जु की पुस्तक द आर्ट ऑफ वार से प्रेरित थी, खासकर बिना लड़े जीतने की उसकी अवधारणा, क्योंकि वह चीनियों की सीमित शारीरिक क्षमता से वाकिफ थे। चीन अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को कमजोर करना, सीमाओं को बदलना और वैश्विक (खासकर सोशल) मीडिया को नष्ट करना चाहता है। उसके पास सूचनाओं में हेरफेर करने वाली एक सेना है, और वह जहां तक संभव हो सके, अपने विरोधियों को भ्रमित करने के लिए उसका उपयोग करने की कोशिश करता है। आजकल एल्गोरिद्म एवं बॉट्स के साथ सोशल मीडिया में हेरफेर करना अपेक्षाकृत आसान हो गया है, जो इंटरनेट पर स्वचालित ढंग से असीमित श्यूजश और लाइक्स पैदा कर सकते हैं, जिन्हें मानव गतिविधियों की तरह तैयार किया गया है। मौजूदा लोकसभा चुनाव के दौरान भी ऐसा देखने को मिला है। वर्तमान सरकार के कुछ विदेश–समर्थित सोशल मीडिया आलोचक हैं, जिनके श्आधिकारिकश रूप से लाखों फॉलोअर्स हैं। चीन ने सोशल मीडिया के जरिये ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और अमेरिका में चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की है। लेकिन वह पकड़ा गया और उसने आहत होने का नाटक किया। मेटा जैसी दिग्गज सोशल मीडिया कंपनी के सतर्क होने और दुर्भावनापूर्ण खातों को निष्क्रिय करने के बाद चीन (और उसका अनुयायी पाकिस्तान) सोशल मीडिया का दुरुपयोग करने वाले प्रमुख देश के रूप में उभरा है। यानी सोशल मीडिया को चीन ने पूरी तरह से एंटी–सोशल (असामाजिक) बना दिया। वर्ष 2020 में गलवान की घटना (जो चीन की भयंकर भूल थी) के बाद उसकी चर्चित सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलएल) कागजी शेर साबित हुई। इसलिए चीनी कम्युनिस्ट पार्टी अब गैर–पारंपरिक युद्ध करने की कोशिश कर रही है। उसके निशाने पर विशेष रूप से विदेश में बसा सिख समुदाय का एक छोटा–सा वर्ग है, जो भारत को अस्थिर करने के बारे में सोच रहा है। अपने पुराने पिछलग्गू पाकिस्तान के उकसावे में आकर चीन ने कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद यही घिसी–पिटी रणनीति अपनाई। लेकिन कश्मीर में जब उसकी दाल नहीं गली और कश्मीर के लोगों को राष्ट्रीय मुख्यधारा में जुड़ने के आर्थिक और राजनीतिक लाभ दिखने लगे, तो चीन ने अपना ध्यान विदेश में बसे कट्टरपंथी सिखों की तरफ लगाया। उसकी यह साजिश भी विफल होने वाली है, क्योंकि भारत की अर्थव्यवस्था आसमान छू रही है और दुनिया भारत के साथ दोस्ती के फायदे समझ रही है। पिछले पांच वर्षों में चीन ने भारत पर काफी आर्थिक दबाव बनाया, उसके बावजूद महामारी पर काबू पाने में हमारी सफलता और आर्थिक सुधार से चीन चिंतित हो उठा है। हालांकि भारत और चीन के बीच खुले युद्ध की फिलहाल कोई आशंका नहीं है, लेकिन वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर छिटपुट झड़पों और कभी–कभार जमीन हड़पने के प्रयासों से इन्कार नहीं कर सकते। चीनी राजनयिकों ने स्पष्ट धमकियां देने की रणनीति अपनाने की कोशिश की और मेजबान देशों को नाराज किया, जिससे चीन की छवि को नुकसान ही पहुंचा। पूर्व मंगोलियाई राष्ट्रपति, जो शी से 30 बार मिल चुके हैं, ने लिखा कि शी दिखाते हैं कि श्व्यक्तिगत रूप से करिश्माई होने के साथ विश्व मंच पर खतरनाक और निरंकुश होना संभव है। वह दुष्ट भी हो सकते हैं।श अपने सभी 19 पड़ोसियों को चुनौती देने की हठधर्मिता की चीन भारी कीमत चुका रहा है, जिसके लिए उसके राष्ट्रपति का अहंकार जिम्मेदार है।

नाबालिगों के खिलाफ अपराधों के लिए कठोर दंड

विनोद

बच्चों के संरक्षण अधिनियम, 2012 के तहत दायर मामलों में चिंता का एक तत्व सहमति की उम्र से संबंधित है। हाल के वर्षों में, विभिन्न उच्च न्यायालयों ने 16–18 आयु वर्ग के किशोरों के रोमांटिक संबंधों में शामिल होने से संबंधित पॉक्सो के तहत दर्ज किए जा रहे मामलों की संख्या में वृद्धि को रेखांकित किया है। अदालतों के सामने दुविधा यह है कि यद्यपि किशोर सहमति से अंतरंगता में संलग्न होते हैं, लेकिन अदालतें पुरुष समकक्ष को न्यूनतम 10 वर्ष की सजा देने के लिए बाध्य हैं। वर्तमान में, सहमति की आयु 18 वर्ष निर्धारित की गई है। इस प्रकार, कोई भी व्यक्ति जो नाबालिग लड़की के साथ यौन गतिविधियों में संलग्न होता है, वह लड़की की सहमति के बावजूद वैधानिक बलात्कार करने का दोषी है। नवंबर 2022 में, कर्नाटक उच्च न्यायालय ने विधि आयोग को सहमति के लिए आयु मानदंड पर विचार करने का आदेश दिया। विधि आयोग ने अपनी 283वीं रिपोर्ट पेश की, लेकिन सहमति की आयु कम करने के खिलाफ राय दी, क्योंकि उसे डर था कि ऐसा करने से बाल तस्करी और वेश्यावृत्ति जैसे अपराध बढ़ेंगे। यह राय थी कि सजा सुनाने में न्यायिक विवेक का परिचय देना नाबालिगों को यौन अपराधों से बचाने और सजा की गंभीरता को कम करने के दोहरे लक्ष्यों को हासिल करने के लिए उचित उपाय होगा। विधि आयोग की सिफारिशें दो कारणों से समस्याग्रस्त हैं। पहला, भारतीय न्याय संहिता में पहले से ही तस्करी, वेश्यावृत्ति आदि से निपटने के लिए कठोर दंड के प्रावधान मौजूद हैं, जिसमें नाबालिगों के खिलाफ अपराधों के लिए कठोर दंड निर्धारित करने वाले विशिष्ट प्रावधान शामिल हैं। सहमति की उम्र कम करने से संकट कैसे बढ़ेगा? दूसरा, सजा सुनाने में न्यायिक विवेक इन मामलों में फंसे लोगों के लिए बहुत कम काम करता है। आपराधिक न्याय प्रणाली की प्रकृति ऐसी है कि यह प्रक्रिया विचाराधीन कैदी के लिए सजा बन जाती है। इसके अतिरिक्त, हल्की सजा भी नैतिक पतन के कलंक को दूर नहीं कर सकती जो किशोर के व्यक्तित्व को जीवन भर के लिए कलंकित करती है।

हम अपने संग्रहालयों को समावेशी बना सकते

ललित

युवा लोगों को हमारे संग्रहालयों में क्यों आना चाहिए? प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित इस युग में, वे उन बड़े, निषिद्ध स्थानों में क्या खोजना चाहेंगे, जहाँ बेघर लेकिन पुनर्वासित वस्तुएँ अक्सर बिना अर्थ और बिना संदर्भ के अपना जीवन व्यतीत करती हैं? कागज पर, इसका उत्तर सरल है। वे संग्रहालयों में इतिहास की समझ प्राप्त करने के लिए आ सकते हैं, जैसा कि विभिन्न प्रकार की वस्तुओं की सार्थक व्यवस्था के माध्यम से व्यक्त किया जाता है। यह वह काम है जो अच्छे क्यूरेटर करते हैं। अतीत बंदकपक बंउमतें पर नहीं है, लेकिन यह कलाकृतियों की एक अंतहीन असेंबली लाइन बनाता रहता है, जिसके माध्यम से हम इतिहास की स्पष्ट दृश्यता को देखने की कोशिश करते हैं, हालाँकि कई बार। यहीं पर एक वास्तविक संग्रहालय का स्पर्शनीय, वस्तु–केंद्रित अनुभव काम आता है। दुनिया के महान, तथाकथित 'विश्वकोशीय' या 'सार्वभौमिक' संग्रहालय, निश्चित रूप से यूरोपीय

ज्ञानोदय के उत्पाद थे, जिन्हें साम्राज्य की लूट और पुनः संयोजन (जैसे ब्रिटिश संग्रहालय, लौवर या हर्मिटेज) या खरीदने और चमकाने की धन की शक्ति (जैसे मेट्रोपॉलिटन संग्रहालय) द्वारा समर्थित किया गया था। भारत में संग्रहालयों में कभी भी ये वैश्विक दिखावा नहीं था, इसलिए प्रमुख लोगों ने खुद को 'भारतीय' संग्रहालय या 'राष्ट्रीय' संग्रहालय कहा है, जिसमें 'भारत' या 'राष्ट्र' का प्रतिनिधित्व करने के उनके दावों की सभी जटिलताएँ उन नामकरणों में अंतर्निहित हैं। सत्तारूढ़ शासन द्वारा भारत की एकात्मक, कट्टरपंथी परिभाषाओं को आक्रामक रूप से प्रचारित किया जा रहा है, और पौराणिक कथाओं और इतिहास के बीच की रेखाएँ तेजी से धुंधली होती जा रही हैं, भारत में संग्रहालय आज एक कष्टप्रद समस्या का सामना कर रहे हैं। हम अपने संग्रहालयों को समावेशी कैसे बना सकते हैं और संकीर्ण रूप से परिभाषित, एकरेखीय, एकरूपता वाले, अक्सर राज्य प्रायोजित राष्ट्रवाद के आधिकारिक आख्यानों से प्रभावित हुए बिना हमारी सामाजिक विविधता और ऐतिहासिक जटिलताओं को पर्याप्त रूप से प्रतिबिंबित कर सकते हैं? इससे निपटने के लिए सबसे अच्छी क्यूरेटोरियल रणनीतियाँ क्या हैं? सबसे पहले, यह याद रखना जरूरी है कि संग्रहालय संग्रह अक्सर युद्ध, विजय, लूट, दुर्घटना और इतिहास के अप्रत्याशित मोड़ और मोड़ के माध्यम से बढ़ते हैं और परिणामस्वरूप, वे ऐतिहासिक समय की रैखिक निरंतरता को लगातार प्रतिबिंबित करने में असमर्थ होते हैं। संग्रहालय का स्थान भी सीमित है, जो क्यूरेटोरियल रणनीतियों और कहानी कहने के तौर–तरीकों को आकार देता है। संक्षेप में, वे जटिल स्थान हैं जहाँ इतिहास की पाठ्यपुस्तक कथा का दृश्यांकन असंभव है। इसलिए, उन्हें कलाकृतियों को क्यूरेट करने के कार्य के लिए एक अलग दृष्टिकोण अपनाना चाहिए ताकि आगंतुकों को इतिहास के विषय के साथ उचित जुड़ाव मिल सके। मुझे लगता है कि इस संबंध में सबसे अच्छी क्यूरेटोरियल प्रैक्टिस को डनेमनउ तजपबिजे के उद्गम पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। आम तौर पर, भारत में संग्रहालयों में इन–हाउस शोध कौशल और क्यूरेशन में अनुभव की कमी है, एक अपर्याप्तता विशेष रूप से उद्गम शोध में दिखाई देती है। संग्रहालय की कलाकृतियों की उनके वर्तमान घरों तक की विचित्र यात्राओं के बारे में जानकारी की कमी काफी हद तक अधूरी जानकारी की औप निवेशिक विरासत है। उदाहरण के लिए, विक्टोरिया मेमोरियल हॉल के प्रारंभिक संग्रह में प्रदर्शित वस्तुओं की 1925 की सचित्र सूची कृ संग्रहालय के पहले निदेशक पर्सी ब्राउन का काम, और लॉर्ड कर्जन द्वारा सावधानीपूर्वक निगरानी की गई कृ खरीद या उपहार के माध्यम से अधिग्रहण के केवल तत्काल संदर्भ को रिकॉर्ड करती है, जिससे पूर्व सिद्धता का कोई निशान छूट जाता है। वीएमएच में सबसे बड़ी पेंटिंग, 4 फरवरी 1876 को जयपुर में द प्रिंस ऑफ वेल्स (बाद में किंग एडवर्ड टप्) शीर्षक से कैनवास पर 24 फीट गुणा 17 फीट का विशाल तेल चित्र, वासिली वेरेशचौगिन द्वारा चित्रित किया गया था, जो एक रूसी युद्ध चित्रकार थे, जिन्होंने 1874–76 और 1882–83 के दौरान भारत का दौरा किया और 1881 में वियना में एक प्रदर्शनी की। सूची विवरण में बस इतना कहा गया है कलाकृति की जीवनी, इसके द्वारा की गई स्पष्ट रूप से की गई कई यात्राएँ, तथा वैश्विक इतिहास के कई विषयों के साथ इसके विभिन्न स्पर्श–बिंदुओं का कोई उल्लेख नहीं है। लेकिन एक अच्छी ब्नतंजवतपंस रणनीति एक कहानी बता सकती है – जिसमें भौतिक कलाकृति के साथ पाठ कैप्शन, चित्र, तथा डिजिटल उपकरणों, मानचित्रों, समय–सीमाओं, इत्यादि पर आगे की खोज के लिए हाइपरलिंक किए गए डेटा का संयोजन हो – जो आगंतुक को वैश्विक इतिहास के कई परस्पर जुड़े विषयों पर विचार करने के लिए प्रस्तुत कर सकता है। उदाहरण के लिए, साम्राज्य के युग में दुनिया के विभिन्न हिस्सों की यात्रा करने वाले जारिस्ट रूस के एक चित्रकारय यूरोपीय कला बाजार और प्रदर्शनियों के साथ उनके संबंधय अमेरिका में आयरिश आप्रवासन, तथा मैली जैसी व्यावसायिक समृद्धि के बारे में कहानियाँय कला के अधिग्रहण के माध्यम से अर्जित सांस्कृतिक पूंजी तथा ओरिएंटल तमाशा को दर्शाने वाली कलाकृतियों के लिए पश्चिमी दुनिया में मांगय ब्रिटिशों के प्रति राजसी निष्ठा तथा ऐसे दान को साम्राज्य के प्रति वफादारी की परीक्षा बनाने में कर्जन की सफलता इत्यादि।

एस.आर. ग्रुप में अंतिम वर्ष के छात्रों को फेयरवेल में भावपूर्ण विदाई

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। बख्शी का तालाब स्थित एस.आर. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में आज, 3 मई 2024, को ष्फेयरवेल समन्वय 2024ष का आयोजन किया गया, जिसमें 3500 छात्रों ने भाग लिया। यह समारोह अंतिम वर्ष के छात्रों के सम्मान में

आयोजित किया गया, जिनका फाइनल एग्जाम हो चुका है और वे पासआउट होने वाले हैं।

इस सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कौशल किशोर (मंत्री, आवास एवं शहरी विकास), श्री सुरेश राही (मंत्री कारागार), मंत्री प्रतिभा शुक्ला बाल विकास पुष्टाहार (मंत्री शहरी विकास), योगेश शुक्ला(विधायक बी.के.टी.), और शिव भूषण सिंह (प्रदेश मंत्री भाजपा), विनय प्रताप सिंह (जिला अध्यक्ष लखनऊ) ,श्री कमलेश मिश्रा (क्षेत्रीय अध्यक्ष), मनोज जी (क्षेत्र संपर्क प्रमुख), अचिंत्य(प्रभारी लखीमपुर) इत्यादि उपस्थित थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना के दिव्य नृत्य प्रस्तुति के साथ किया गया। सभी अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाने की संस्तुति प्रदान की।

एस.आर. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, लखनऊ के सांस्कृतिक कार्यक्रम के संचालक मयंक मिश्रा, ईशा मिश्रा, एवं सुषमा सिंह ने विभिन्न नृत्य प्रस्तुतियों का आयोजन किया। आर ग्रुप ने दक्षिण भारतीय और पश्चिमी नृत्य प्रस्तुत किया। आईएमबीए के छात्रों ने रानी पद्मिनी राजपूताना डांस घूमर पर बेहतरीन नृत्य किया। एस ग्रुप ने मिक्स डांस परफॉर्मेंस दी। मैकेनिकल के छात्रों ने रोबोटिक्स थीम पर नृत्य प्रस्तुत किया। बायोटेक प्रथम वर्ष के छात्रों ने अघोरी का भक्तिमय कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। एमबीए के छात्रों ने बॉलीवुड थीम पर नृत्य प्रस्तुति दी। बीवॉक के छात्रों ने नवदुर्गा के सभी रूपों की भक्ति नृत्य में प्रस्तुति दी। कंप्यूटर साइंस के छात्रों ने मिक्स बॉलीवुड नृत्य प्रस्तुत किया। आईएमबीए के छात्रों ने रैंप वॉक पर राजपूताना वीरांगनाओं की राष्ट्रभक्ति पर नृत्य प्रस्तुत किया, जिसने जनता का मन मोह लिया। कृषि विभाग ने डरावना संस्कार पर एक नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। सूचना प्रौद्योगिकी और सिविल इंजीनियरिंग के छात्रों ने बॉलीवुड नृत्य का मंचन किया। आईएमबीए का नृत्य 90 के दशक की नृत्य प्रस्तुति पर आधारित था। एमबीए के छात्रों ने विभिन्न छोटे क्लिप सॉन्ग पर अलग–अलग नृत्य शैलियों का प्रदर्शन किया। आयुष और इलेक्ट्रॉनिक कम्युनिकेशन के छात्रों ने नए बॉलीवुड स्टाइल में अपने नृत्य का मंचन किया और दर्शक दीर्घा में उत्साह भर दिया। बीटेक की रैंप वॉक में वायरल फेवर जो रील पर आधारित संगीत मयी नृत्य मंचन था, जिसे छात्रों और दर्शकों ने खूब सराहा। बायोटेक का नृत्य देशभक्ति से ओतप्रोत था और देश की एकता और अखंडता पर भावपूर्ण मंचन किया गया।

इस अवसर पर श्री सुरेश राही ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि अब तक का जीवन सफर आसान था, आगे आपको कठिन परिश्रम कर अपने जीवन यापन के लिए, परिवार के लिए त्याग और बलिदान से धन अर्जित करना है।

कौशल किशोर (मंत्री, आवास एवं शहरी विकास) ने छात्रों से निरंतर प्रयासरत रहने को कहा और कहा कि वे आज आप कुछ भी हों, कल आपका भविष्य आपकी मेहनत से सुनहरा ही होना चाहिए, तो हमेशा प्रयासरत रहें।

मंत्री प्रतिभा शुक्ला बाल विकास पुष्टाहार (मंत्री शहरी विकास) ने कहा कि जीत उन्हीं की होती है जो पूरे मन से जीवन के संघर्ष में लड़ते हैं।

माननीय एमएलसी पवन सिंह चौहान ने कहा कि इस संस्थान में आपके द्वारा बिताए हुए हर एक पल आपको अपने संपूर्ण जीवन में याद आते रहेंगे। यहाँ जो आपने सीखा है, वह हर कठिन वक्त में आपको जीत दिलाएगा।

श्री पियूष सिंह चौहान (उपाध्यक्ष) ने सभी अंतिम वर्ष के छात्रों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

कार्यक्रम के अंत में ष्मिस्टर फेयरवेलष और ष्मिस फेयरवेलष की घोषणा की गई। इस वर्ष मिस्टर फेयरवेल का खिताब प्रदान किया गया।सभी आये हुए अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

नीरू होम द्वारा एक लाइफ स्टाइल प्रदर्शनी लगाई गई

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। नीरू होम द्वारा एक लाइफस्टाइल प्रदर्शनी स्पाइसी बाइट रेस्तरां, हजरतगंज, लखनऊ में प्रदर्शित की गई। प्रदर्शन में लिनन, सूट, कॉर्ड सेट, घर की सजावट और आवश्यक वस्तुएं, क्रॉकरी और कटलरी और बहुत कुछ जैसे घरेलू सामानों की एक श्रृंखला शामिल थी। लखनऊवासियों को खरीदारी करके और गर्मी से राहत पाकर खुद को लाड़–प्यार देना पसंद आया। इस अवसर पर अनिल तुलसी, नीरू तुलसी, सागर तुलसी,साहिबा तुलसी, उपस्थित रहे।

आन लाइन गैंबलिंग बैटिंग एप्प के माध्यम से ठगी करने वाले आरोपी गिरफ्तार

अयोध्या। आन लाइन गैंबलिंग बैटिंग एप्प के माध्यम से देशभर में लाखों लोगों के साथ ठगी करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने अपने अभिरक्षा में लेकर उनके पास से लैपटॉप,सिम, मोबाइल फोन सहित अन्य सामान बरामद किया।इस संबंध में साइबर क्राइम ब्रांच के प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार सिंह ने बताया कि 13 लैपटॉप,37 मोबाइल फोन,166 सिम कार्ड,दो कैलकुलेटर रजिस्टर आदि बरामद किया गया है।उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान प्रशान्त पेशवानी पुत्र बंटी व मनीष कुमार पोद्दार पुत्र ज्ञानचन्द्र के रुप में हुई।इन दोनों के निशानदेही पर पुलिस ने गाजियाबाद के भारत सिटी सोसाइटी के गेट नं0–02 के सामने रोड पार कर के पुराने मकान के खण्डहर के कोनें में छिपे इन सामानों को बरामद किया है।इस सफलता मे साइबर क्राइम ब्रांच प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार सिंह के अलावा निरीक्षक चन्द्रभान यादव,उप निरीक्षक ओम प्रकाश यादव, मुख्य आरक्षी प्रेम प्रकाश सहित अन्य पुलिस कर्मियों का विशेष सहयोग रहा।

वृक्षासन, पादहस्तासन, त्रिकोणासन, दण्डासन, भद्रासन, उष्ट्रासन, शशांकसन, भुजंगासन, सेतु बंधासन तथा पवनमुक्तासन का अभ्यास कराया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। लखनऊ विश्विद्यालय के फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के तत्वावधान में 10वे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2024 के विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला के क्रम में प्रातः 6–7 बजे के मध्य कॉमन योग प्रोटोकॉल सत्र का आयोजन किया गया। सत्र का आरंभ प्रार्थना से किया गया, इसके बाद योगिक सूक्ष्म व्यायाम का अभ्यास हुआ साथ ही वृक्षासन, पादहस्तासन, त्रिकोणासन, दण्डासन, भद्रासन, भद्रासन, उष्ट्रासन, शशांकसन, भुजंगासन, सेतुबंधासन तथा पवनमुक्तासन का अभ्यास कराया गया। इसके बाद सभी प्रतिभागियों को शवआसन करने के पश्चात कपालभाति, नाड़ीशोधन, शीतली

तथा भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास कराया गया तत्पश्चात् ध्यान का अभ्यास हुआ। कॉमन योग प्रोटोकॉल के अभ्यास से व्यक्ति का शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक विकास होता है।योग सत्र के दौरान फैकल्टी के कॉर्डिनेटर डॉ. अमरजीत यादव योग प्रशिक्षक डॉ. राम किशोर तथा शिक्षक शोभित सिंह छात्राये, कर्मचारी तथा आमजन उपास्थित रहे।

देर रात दो हास्टलों में भिड़ंत के बाद पथराव–बमबाजी, भोर तक चला बवाल, तीन गिरफ्तार

प्रयागराज, संवाददाता। कर्नलगंज में दो हॉस्टल के छात्रों के विवाद में शनिवार रात जमकर पथराव व बमबाजी हुई। इविवि यूनियन हाल गेट के पास हॉलैंड हॉल व एसएसएल हॉस्टल के छात्रों के बीच देर रात शुरू हुआ विवाद भोर तक चला। घटना में शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है जबकि उनके दो साथी फरार हैं। उधर सुबह दोनों हॉस्टलों में सर्च ऑपरेशन चलाकर 10 बम व बारूद समेत बम बनाने की अन्य सामग्री बरामद की गई। पुलिस सूत्रों का कहना है कि दो दिन पहले दोनों हॉस्टल के छात्रों के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद दोनों पक्ष आमने–सामने हो गए थे। शनिवार देर रात एक बार फिर विवाद शुरू हो गया। इसके बाद दोनों हॉस्टलों से ईंट–पत्थर चलाने के साथ ही बम पटके जाने लगे। सूचना पर डायल 112 पुलिस पहुंची लेकिन मामला शांत नहीं हुआ। फिर थाने की फोर्स के साथ ही एसीपी कर्नलगंज भी पहुंच गए। पुलिस ने छात्रों को समझाने का प्रयास किया लेकिन वह नहीं माने और एक–दूसरे पर हमलावर बने रहे।

भोर तक दोनों ओर से ईंट–पत्थर व बम चलाए जाते रहे। मामला शांत न होता देख पुलिस ने खदेड़ा तो हमलावर भागने लगे और इस दौरान तीन युवक पकड़

लिए गए। थाने में पूछताछ में उन्होंने अपना नाम मृत्युंजय कुमार निवासी गाजीपुर, सौरभ दीक्षित निवासी देवरिया और अंकित कुमार निवासी औरंगाबाद बिहार बताया। इनमें से अंकित एसएसएल व अन्य दोनों हॉलैंड हॉल हॉस्टल में रहते हैं। देर शाम बमबाजी व अन्य आरोपों में मुकदमा दर्ज कर तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया। दो आरोपी विजय यादव व आश्रय अभी फरार हैं। एसीपी राजीव कुमार यादव ने बताया कि दोनों फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

छत पर रखी खाली पानी की टंकी में छिपाए थे बम

रविवार सुबह हॉलैंड हॉल हॉस्टल के अधीक्षक रंजीत सिंह व एसएसएल हॉस्टल के अधीक्षक पवन शर्मा की ओर घटना के संबंध में तहरीर दी गई। पकड़े गए युवकों से पूछताछ के बाद पुलिस ने सूचना देकर प्रॉक्टर को बुलाया और फिर दोनों हॉस्टलों में तलाशी ली गई।

इस दौरान एसएसएल हॉस्टल में छत पर मौजूद खाली पानी की टंकी में छिपाकर रखे गए 10 बम बरामद हुए। जबकि हॉलैंड हॉल हॉस्टल से बारूद, गिट्टी, छर्रा समेत बम बनाने की सामग्री बरामद हुई। मौके पर बीडीडीएस टीम को भी बुलाकर जांच कराई गई।

एयरटेल ने दुनिया के सबसे बड़े टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए योजना शुरू की

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। भारती एयरटेल ("एयरटेल"), भारत की अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाता, ने आज दुनिया के सबसे बड़े टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट को ध्यान में रखते हुए ग्राहकों के लिए विशेष पैक पेश किए। निर्बाध और निरंतर मैच देखने के अनुभव को सुनिश्चित करने के लिए, एयरटेल अपने प्रीपेड, पोस्टपेड, इंटरनेशनल रोमिंग, होम ब्रॉडबैंड और एयरटेल डिजिटल टीवी उपयोगकर्ताओं के लिए भारत में दुनिया के सबसे बड़े टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के आधिकारिक स्ट्रीमिंग पार्टनर डिज्नी हॉटस्टार की तीन महीने की सदस्यता प्रदान कर रहा है। टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए प्रीपेड प्लान 499 रुपये से शुरू होते हैं और 28 दिनों के लिए हाई–स्पीड 3ळठ डेटा के साथ–साथ डिज्नी हॉटस्टार के तीन महीने के सब्सक्रिप्शन के साथ आते हैं। इस प्लान में एयरटेल एक्सस्ट्रीम प्ले पर 20 से ज्यादा ओटीटी (ब्ज्ज्) को मुफ्त में अनलॉक किया जाता है। 839 रुपये में 84 दिनों की योजना भी उपलब्ध है जो प्रतिदिन 2ळठ डेटा के साथ समान लाभ प्रदान करती है। 3359 रुपये की वार्षिक योजना में डिज्नी हॉटस्टार की एक साल की बंडल सदस्यता है, साथ ही एक्सस्ट्रीम ऐप पर ओटीटी प्लेटफॉर्म तक पहुँच और प्रतिदिन 2.5 ळठ डेटा भी शामिल है।

पोस्टपेड प्लान में एक साल का डिज्नी हॉटस्टार सब्सक्रिप्शन, साथ ही एक्सस्ट्रीम ऐप पर 20 से अधिक ओटीटी प्लेटफॉर्म तक पहुंच, अनलिमिटेड 5जी डेटा और पारिवारिक ऐड–ऑन लाभ भी शामिल हैं।

हाई–स्पीड इंटरनेट, मनोरंजन, प्रोफेशनल और इनफिनिटी प्लान की तलाश कर रहे घरेलू ग्राहकों को 999 रुपये, 1498 रुपये और 3999 रुपये में कई तरह के स्पीड विकल्प दिए गए हैं। इसके अलावा, इन प्लान में अनलिमिटेड डिज्नी हॉटस्टार सब्सक्रिप्शन और अन्य लाभ भी शामिल हैं।

लाइव मैच देखने के लिए अमेरिका और कनाडा की यात्रा करने वाले प्रशंसकों के लिए, कंपनी ने इन–फ्लाइट कनेक्टिविटी के साथ इंटरनेशनल रोमिंग पैक को सरल बनाया है, ताकि प्रशंसक 133 रुपये प्रतिदिन की कम कीमत पर लाइव मैच स्ट्रीम कर सकें और इंटरनेशनल रोमिंग का आनंद ले सकें, जिससे इन–कंट्री सिम की तुलना में भी यह देखने में किफायती हो जाता है। इसके अलावा, एयरटेल डिजिटल टीवी पर, क्रिकेट के दीवाने अब भारत की पहली 4ज्ञ सेवा का आनंद ले सकते हैं, जो दुनिया के सबसे बड़े टी20 क्रिकेट सीजन में और भी अधिक शानदार और लुभावने अनुभव को लेकर आती है।

प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट ने दूसरे बड़े मंगल के अवसर पर नि:शुल्क पौधों का वितरण एवं भंडारे का आयोजन किया

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट एवं प्रगति इवेंट के संयुक्त तत्वावधान में विगत कई वर्षों से संस्था सामाजिक, धार्मिक, पर्यावरण, सफाई एवं चिकित्सा से संबंधित कार्य किए जा रहे हैं। समय–समय पर सरकार के साथ सहयोग करके समाज के उत्थान के लिए संस्था निरंतर प्रयतशील है।

प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट पिछले कई वर्षों से ज्येष्ठ माह के बड़े मंगल को बहुत ही उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाती आ रही है। इस बार का दूसरा बड़ा मंगल बहुत ही विशेष है क्योंकि 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में ही मनाया जाता है। विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर संस्था द्वारा निशुल्क पौधों का वितरण भी किया जाएगा एवं भव्य भंडारे का भी आयोजन किया गया है।

बर्लिंगटन स्थित आर्केड मॉल में प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट दोपहर 1रू00 बजे से दूसरे बड़े मंगल के अवसर पर निशुल्क पौधों का वितरण एवं भंडारे का आयोजन किया गया।

लखनऊ समेत पूरे उत्तर भारत में ज्येष्ठ माह के सभी बड़े बंगलो का अत्यधिक महत्व है इसके पीछे कई किदवंतियां एवं आस्था जुड़ी हुई है।उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बड़े मंगल का पर्व बहुत ही धूमधाम एवं उत्साह के साथ मनाया जाता है प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट हमेशा अपनी जिम्मेदारियां को समझते हुए इन आयोजनों में बहुत बढ़कर भाग लेती है। वेलिंगटन स्थित आर्केड मॉल पर प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के कार्यालय पर सर्वप्रथम सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया तदोपरांत हनुमान जी की आरती के साथ भंडारे का शुभारंभ किया गया। आए हुए सभी को विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर संस्था के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह एवं उपाध्यक्ष एन बी सिंह द्वारा पौधा भेंट किया गया एवं भंडारे का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में आए भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। सभी भक्तों को अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह एवं उपाध्यक्ष एन बी सिंह द्वारा शुभकामनाएं एवं बधाई दी गई। प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के भंडारे में विशेष रूप से सुनील भाटिया, शाश्वत सिंह, अखिलेश, हेमंत, आर एल पांडे, आशीष त्रिवेदी, कृष्णानंद राय शिखा सिंह पटेल राधा बेस्ट देवेंद्र मोदी, प्रिया सिंह चौहान, दिलीप कुमार श्रीवास्तव, शिवम सिंह, सतीश, जयदेव बदलनी, विवेक बदलनी, मोहन, प्रीति, सोनू, मनीष, मानव विशेष रूप से शामिल हुआ।

सजा बढ़वाने के लिए सरकार की ओर से दाखिल अपील के खिलाफ सांसद अफजाल के वकील ने दाखिल की आपत्ति

प्रयागराज, संवाददाता। इलाहाबाद हाईकोर्ट में अफजाल अंसारी को गैंगस्टर एक्ट में मिली सजा बढ़ाने की मांग में दाखिल सरकार की अपील पर सोमवार को अफजाल अंसारी के वकील ने आपत्ति दाखिल की। कोर्ट अब इस मामले में दो जुलाई को सुनवाई करेगी। न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह के समक्ष अफजाल अंसारी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल चतुर्वेदी एवं डीएस मिश्र व एडवोकेट उपेंद्र उपाध्याय और राज्य सरकार के अपर महाधिवक्ता पीसी श्रीवास्तव ने बहस की। गौरतलब है कि अफजाल अंसारी को गैंगस्टर एक्ट में गाजीपुर की स्पेशल कोर्ट एमपी/एमएलए ने चार साल कैद की सजा सुनाई है, जिसके खिलाफ अफजाल अंसारी ने अपील दाखिल की है। अपील में सजा को रद्द करने की मांग की गई है।

विधायक कृष्णानंद राय हत्याकांड के आधार पर मुख्तार अंसारी, अफजाल अंसारी और एजाजुल हक पर गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा कायम किया गया था। हाईकोर्ट ने पूर्व में अफजाल अंसारी की सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। इस पर अफजाल अंसारी ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की। सुप्रीम कोर्ट ने सजा पर स्थगनादेश देते हुए हाईकोर्ट को अपील का निस्तारण 30 जून तक करने का निर्देश दिया था। अफजाल की ओर से इस मामले में अपत्ति दाखिल करने का समय मागा गया था। कोर्ट ने तीन जून की तारीखध तय की थी। सोमवार को आपत्ति दाखिल होने के बाद कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए दो जुलाई की तारीख तय की है।

राजाजीपुरम क्षेत्र में भण्डारा/प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। बजरंगबली की कृपा से ज्येष्ठ मास के द्वितीय शनिवार को संस्था जी एस सोशल एण्ड वेल्फेयर सोसाइटी,लखनऊ

एवं आप सबके सहयोग से लखनऊ के श्री रामजानकी मंदिर टिकैत राय तालाब राजाजीपुरम क्षेत्र में भण्डाराध्प्रसाद वितरण का आयोजन हुआ जिसमें संस्था की ओर से सर्वश्री अनूप कमल सक्सेना पार्षद ,राजन मिश्रा(मण्डल अध्यक्ष–बीजेपी)नोटेश कुमार दीक्षित (मण्डल उपाध्यक्ष –बीजेपी), आलोक मिश्रा, रवि प्रकाश,राकेश सिन्हा ,आशीष तिवारी,धनंजय भारतीय,प्रदीप श्रीवास्तव, तरुण, सौरभ श्रीवास्तव, मुकेश शुक्ला,मुकेश सिंह,राकेश बघेल,अजय त्रिपाठी,अजय श्रीवास्तव,नवनीत शुक्ला, अमित शुक्ला, दीपक निगम,हर्षवर्धन आनंद गुप्ता शुभ शुक्ला,सुजीत सक्सेना,रमेश सक्सेना, अरुण गुप्ता, सर्व श्रीमती सुभा श्रीवास्तव,किरण राणा,साधना वर्मा, नूपुर सक्सेना, सुनीता शुक्ला, अर्चना शुक्ला, विमला एवं बच्चों ने प्रसाद वितरण में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया,

क्षेत्रीय लोगों ने प्रसाद वितरण में सहयोग किया एवं प्रसाद भी ग्रहण किया, सर्वप्रथम सर्वश्रीमती प्रतिभा तिवारी ने एवं शुभा श्रीवास्तव ने बजरंगबली की फोटो पर माल्यार्पण करने के साथ साथ कार्यक्रम का शुभारंभ करके बजरंगबली महाराज का आशीर्वाद लेकर प्रसाद वितरण करने का आग्रह किया और स्वंय प्रसाद ग्रहण किया, समस्त क्षेत्रीय निवासी एवं आसपास के लोगों ने बढ़ी संख्या में प्रसाद ग्रहण किया। उपस्थित स्थानीय जनता को अपने आसपास स्वछता रखने और कूड़ा कचरा ना फैलने के लिए आग्रह किया।

संस्था जी एस सोशल संस्था की ओर से अरूण कुमार शुक्ल महासचिव, ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी का ह्रदय से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

बालू ठेकेदार को झलवा से शिवकुटी तक खदेड़कर फायरिंग, वारदात से शहर में सनसनी

प्रयागराज, संवाददाता। झलवा में शनिवार देर रात बालू की सप्लाई को लेकर हुए विवाद में दबंगों ने बालू ठेकेदार पर हमला बोल दिया। जान बचाकर भागने पर फॉर्च्यूनर समेत तीन गाड़ियों से पीछा किया और रास्ते में फायरिंग भी की। हमलावर पीछा करते हुए शिवकुटी में ठेकेदार के घर तक पहुंच गए। वहां पुलिस ने घेराबंदी कर फॉर्च्यूनर सवार छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि दो कारों में सवार उनके साथी भाग निकले। अभिषेक यादव(30) गोविंदपुर का रहने वाला है और बालू का ठेकेदार है। उसने पुलिस को बताया कि झलवा निवासी साहिल भी बालू का कारोबार करता है और उसे कई बार धमका चुका था। कहता था कि वह उसके इलाके में बालू की सप्लाई न करे। शनिवार रात 12 बजे के करीब वह अपने एक साथी के साथ बालू गिराने झलवा में गया था। आरोप है कि वहां साहिल अपने एक अन्य साथी संग बाइक से आया और विवाद करने लगा।

साथ ही फोन कर अपने कई साथियों को भी बुला लिया जो लाठी–डंडों से लैस थे। यह देख अभिषेक व उसका साथी कार से भागने लगे जिस पर साहिल व उसके साथियों ने तीन कारों से उनका पीछा कर लिया।

मतगणना की चर्चा के दौरान सपा प्रत्याशी विजय सिंह की अचानक बिगड़ी

सोनभद्र, संवाददाता। सोनभद्र जिले के दुद्धी विधानसभा के उपचुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी विजय सिंह गोंड की सोमवार को तबियत बिगड़ गई। दोपहर में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर मतगणना की तैयारी के दौरान तबियत बिगड़ने पर उन्हें दुद्धी सीएचसी में भर्ती कराया गया। वहां उनका उपचार चल रहा है।

यह है मामला

विजय सिंह गोंड सोमवार को मतगणना की तैयारियों से संबंधित बैठक में हिस्सा लेने पार्टी कार्यालय पर पहुंचे। बैठक के बाद दोपहर में वह दुद्धी लौटे। इसके बाद यहां कार्यालय पर बैठकर चार जून की मतगणना के संबंध में कार्यकर्ताओं से चर्चा कर रहे थे।

इस बीच अचानक उनकी तबियत बिगड़ गई। कंपकंपी लगने व बीपी बढ़ने पर आनन–फानन कार्यकर्ता उन्हें लेकर दुद्धी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। यहां अधीक्षक डॉ. शाह आलम अंसारी के नेतृत्व में तत्काल उन्हें भर्ती कर उपचार शुरू किया गया। डॉक्टरों ने बताया कि उपचार के बाद स्थिति सामान्य हो रही है। विजय सिंह गोंड शुगर के मरीज हैं। सोमवार को जल्दी में दवा न ले पाने के कारण तबियत खराब हुई है। उधर, पार्टी प्रत्याशी के बीमार होने की खबर पाकर कार्यकर्ता अस्पताल व तहसील मुख्यालय स्थित पार्टी कार्यालय जुट गए।

रेलकर्मी समेत चार ने तोड़ा दम, लू की आशंका

बांदा, संवाददाता। अलग–अलग थाना क्षेत्रों में रेल कर्मी व सड़क मजदूर समेत चार लोगों ने दम तोड़ दिया। परिजनों ने लू से मौत की आशंका जताई है। हमीरपुर जिले के देवगांव निवासी रेल कर्मी गया प्रसाद (40) शनिवार को ड्यूटी के बाद रेल कॉलोनी में अपने कमरे पहुंचा। रविवार को सुबह हालत बिगड़ गई। परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। यहां दम तोड़ दिया। भतीजे रवि कुमार ने बताया कि गया प्रसाद बांदा रेलवे स्टेशन परकर्मचारी थे। उनके दो पुत्र हैं। घर में पत्नी मालती है। भतीजे ने लू लगने की आशंका जताई है। हमीरपुर के बनी भौता ओमर नगर निवासी अमित कुमार (40) ट्रक ड्राइवर था। रविवार को दोपहर कबरई से गिट्टी लेकर असोथर गया था। ट्रक खाली कर वापस कबरई जा रहा था। मटौंध थाना क्षेत्र के खैराडा के पास ट्रक में बैठे–बैठे हालत बिगड़ गई। उसने वहीं दम तोड़ दिया। काफी देर तक जब वह कबरई नहीं पहुंचा तो ट्रक मालिक ने फोन किया। जवाब न मिलने पर अन्य ट्रक चालकों को पता लगाने के लिए कहा। साथी चालक पहुंचे तो देखा वह सीट पर ही मृत पड़ा था। बिहार के औरंगाबाद जिले के दाउद नगर निवासी दीनानाथ (50) महोबा में सड़क निर्माण में मजदूरी करता था। शुक्रवार की रात में हालत बिगड़ गई। साथी मजदूरों ने महोबा जिला अस्पताल में भर्ती कराया। शनिवार को सुबह डॉक्टरों ने रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज में उसने दम तोड़ दिया। पड़ोसी मनीष कुमार ने बताया कि परिजन लू लगने की आशंका जता रहे हैं। उसकी पत्नी पार्वती भी साथ थी। नरैनी कोतवाली क्षेत्र के देविन पुरवा निवासी राजू वर्मा (35) बांदा के निजी बस अड्डे में गाड़ी साफ करने का काम करता था। शुक्रवार को दोपहर तीन बजे वह धूप से आकर अपना सिर धोने लगा। तभी उसकी हालत बिगड़ गई। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। शहर कोतवाल अनूप दुबे ने बताया कि चारों शवों का पोस्टमार्टम कराया गया है। परिजन लू लगने की आशंका जता रहे हैं।

चलती सेंट्रो कार में आग लगने से चार लोग जिंदा जले

मेरठ, संवाददाता। चौधरी चरण सिंह कांवड़ पटरी मार्ग पर रविवार की रात बड़ा हादसा हो गया। जानी और भोला के बीच दिल्ली से हरिद्वार जा रही सेंट्रो कार में गांव सिसौला खुर्द के सामने आग लग गई। कार में सवार चारों लोग जिंदा जल गए। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने जब तक आग पर काबू पाया तब तक चारों की मौत हो चुकी थी। मृतकों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। चौधरी चरण सिंह गंग नहर पटरी पर रात नौ बजे के करीब किसी ने फायर कंट्रोल रूम को फोन कर कार में आग लगने की सूचना दी गई। जानी थाना पुलिस और फायर कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे। फायर कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझाने पर देखा गया तो कर में चार लोगों के कंकाल पड़े हुए थे।

चारों लोग इतनी बुरी तरह से जल चुके हैं कि यह भी पहचान करना मुश्किल हो रहा है कौन पुरुष है, कौन महिला है। गाड़ी की नंबर प्लेट मिली है, जिस पर दिल्ली का नंबर क्स4 ब्पी 4792 है। गाड़ी दिल्ली के सोहनपाल पुत्र ओमप्रकाश गांव पहलादपुर बांगर के नंबर पर है। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों से संपर्क किया जा रहा है। एसपी देहात कमलेश बाहदुर ने बताया कि मृतकों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। कार में आग कैसे लगी? इसके बारे में अभी कुछ भी स्पष्ट जानकारी नहीं हो पाई है।

कार में लगी है सीएनजी किट

सीएफओ संतोष राय का कहना है कि कार में सीएनजी किट लगी हुई है। जब फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची तो कर में भीषण आग लगी हुई थी। आग बुझाने पर चार लोगों के जले हुए शव मिले। प्रथम दृष्टया सीएनजी किट में आग लगना माना जा रहा है हालांकि पूरी जांच पड़ताल के बाद ही कुछ स्पष्ट हो पाएगा।

संक्षिप्त खबरें

ड्यूटी के दौरान गर्मी से सिपाही की मौत

सहारनपुर, संवाददाता। सहारनपुर जनपद के थाना सरसावा क्षेत्र के गांव झबीरण निवासी सिपाही आदेश कुमार की लखनऊ में ड्यूटी के दौरान गर्मी से मौत हो गई। सोमवार सुबह शव को गांव में लाया गया। आदेश करीब छह साल पहले पीएसी में भर्ती हुआ था। झबीरण के रहने वाले नरेंद्र प्रजापति का आदेश कुमार(34) 2018–19 से मुरादाबाद की 23 वाहिनी पीएसी में तैनात था। पिछले कुछ दिनों से उसकी ड्यूटी लखनऊ में चल रही था। इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है, जो एक के एक बाद जिंदगी लील रही। आदेश भी गर्मी का शिकार हुए। एक जून को आदेश की किसी जनप्रतिनिधि के यहां ड्यूटी लगी थी।भीषण गर्मी के चलते आदेश अचानक चक्कर आकर गिर गया। इसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। लेकिन स्वास्थ्य में कोई सुधार नहीं हुआ और उसकी मौत हो गई। उसी के गांव निवासी अक्षय और उपदेश ने घर फोन कर जानकारी दी। इसके बाद परिजन लखनऊ पहुंचे।

तैयारी पूरी, निष्पक्ष होगी मतगणना, 1500 पुलिसकर्मियों की रहेगी तैनाती

मेरठ, संवाददाता। लोकसभा चुनाव में अब चुनावी रण में उतरे दिग्गजों की किस्मत के फैसले की घड़ी आ गई है। चार जून को सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में मतगणना होगी। डीएम दीपक मीणा ने बताया कि प्रशासन ने मतगणना की सभी तैयारियों पूरी कर ली है। मतगणना निष्पक्ष और पारदर्शिता से कराई जाएगी। कलक्ट्रेट में पत्रकारों से वार्ता करते हुए डीएम दीपक मीणा ने बताया कि जनपद में सात विधानसभा चार लोकसभा सीटों के अंतर्गत आती है। मेरठ लोकसभा सीट में मेरठ शहर, मेरठ कैंट, मेरठ दक्षिण के अलावा हापुड़ विधानसभा आती है। जिले की सिवालखास विधानसभा बागपत लोकसभा सीट में, सरधना विधानसभा मुजफ्फरनगर लोकसभा सीट में और सुरक्षित हस्तिनापुर विधानसभा बिजनौर लोकसभा सीट में आती है। सभी सातों विधानसभाओं की मतगणना कृषि विवि मोदीपुरम में ही कराई जाएगी। डीएम ने बताया कि मतगणना सुबह आठ बजे से शुरू होगी। मतगणना के लिए स्ट्रांग रूम प्रेक्षक, रिटर्निंग आफिसर, सहायक रिटर्निंग आफिसर, सभी समस्त उम्मीदवारों, निर्वाचन अभिकर्ताओं की उपस्थिति में प्रातः 6रू30 बजे स्ट्रांग खोला जाएगा। ईवीएम मतगणना के लिए लगाई गई टेबलों पर एक मतगणना पर्यवेक्षक, दो मतगणना सहायक तथा एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी रहेगी, यानि एक टेबल पर चार मतगणना कार्मिक नियुक्त किए गए हैं। चुनाव आयोग की ओर से नियुक्त प्रेक्षक को टेबल वार मतगणना परिणाम की सूचना उपलब्ध कराए कराने के लिए प्रत्येक टेबल पर एक–एक माइक्रो ऑब्जर्वर की नियुक्ति की गई है। मतगणना से संबंधित चक्रवार सूचना आरओ टेबल से लेने के लिए दो अधिकारियों की तैनाती की गई है। मतगणना के लिए चक्रवार सूचना एआरओ टेबल से प्राप्त कर आरओ टेबल पर लाने के लिए भी विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रवार अधिकारी की तैनाती की गई है। डीएम ने बताया कि मतगणना स्थल पर एक निर्वाचन नियंत्रण कक्ष, शिकायत प्रकोष्ठ की, एक आफिशियल कम्यूनिकेशन रूम की और एक पब्लिक कम्यूनिकेशन रूम की स्थापना की गई है। मतगणना के लिए शांति व्यवस्था के लिए पर्याप्त पुलिस बल एवं मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है।

पोस्टल बैलेट और ईवीएम की गतगणना एक साथ होगी

डीएम ने बताया कि सुबह आठ बजे से शुरू होकर मतगणना पूरी गिनती होने तक जारी रहेगी। पोस्टल बैलेट की मतगणना और ईवीएम की मतगणना एक साथ होगी। चक्रवार गिनती होगी। जिस भी विधानसभा की मतगणना पूरी होगी, उसकी का परिणाम पहले घोषित किया जाएगा।

102 करोड़ रुपये से सुदृढ़ होगी 14 गांवों की पेयजल व्यवस्था

सहारनपुर, संवाददाता। महानगर के 14 गांवों में 102 करोड़ रुपये से पेयजल व्यवस्था सुदृढ़ बनाई जाएगी। इन गांवों में 13,774 नए पेयजल कनेक्शन दिए जाएंगे। टेंडर की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। कार्य जल्द शुरू होगा। योजना के तहत 14 गांवों को नौ जोन में बांटा गया है। प्रत्येक जोन में एक–एक ओवरहैड टैंक बनाया जाएगा। यानी पानी की आपूर्ति नलकूपों की बजाय ओवरहैड टैंक से की जाएगी। अभी तक महानगर में ओवरहैड टैंकों की कमी के कारण नलकूपों से पानी की आपूर्ति की जाती है। सुबह शाम नलकूपों को चलाकर घरों तक पानी पहुंचाया जाता है, लेकिन अमृत योजना–2 के तहत नलकूपों की बजाय प्रत्येक जोन में ओवरहैड टैंक बनेगा, जहां से पानी की आपूर्ति होगी। पांच ओवरहैड टैंक के लिए जगह चिह्नित कर ली गई है, जहां जल्द ही कार्य शुरू होगा। चार जगहों के लिए जमीन की तलाश जारी है, जिसमें जल निगम नगर निगम की भी मदद ले रहा है। क्योंकि इसके लिए सरकारी भूमि चाहिए। पेयजल व्यवस्था को जोन में बांटने की प्रमुख वजह यह है कि इससे पाइप लाइनों में किसी प्रकार की लीकेज या टूट–फूट आसानी से पकड़ में आती है।

20 हजार घरों में पहले दिए जा चुके हैं कनेक्शन

महानगर में अमृत योजना–1 2020 में आई थी। इसके तहत बाहरी कॉलोनियों खासकर महानगर में शामिल गांवों में 20 हजार नए कनेक्शन दिए गए थे। अमृत योजना–1 का कार्य तीन चरणों में हुआ था। पहले चरण में 9,620, दूसरे चरण में 7,060 और तीसरे चरण में 3,320 घरों में कनेक्शन दिए गए। इसमें सात ओवरहैड टैंक बनाए गए थे।

धमाके के साथ फटा सिलिंडर, गृहस्थी राख

हमीरपुर, संवाददाता। हमीरपुर जिले में जरिया थाना क्षेत्र के इटैलिया बाजा गांव में खाना पकाते समय अचानक रसोई गैस सिलिंडर में आग लग गई। इसके बाद सिलिंडर धमाके के साथ फट गया और पूरे घर में आग लग गई। आग से गृहस्थी के सामान सहित चालीस हजार रुपये जल गए। हादसे में खाना बना रही महिला सहित चार लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इटैलिया बाजा निवासी बब्बू पासवान ने बताया कि उसके परिवार के सदस्य बाहर रहते हैं। वह पत्नी के साथ गांव में रहता है। सोमवार के दिन सुबह छह बजे वह टहलने के लिए गांव के बाहर निकल गए थे। पत्नी राजाबेटी (60) खाना बना रही रही। इसी दौरान अचानक सिलिंडर में आग लग गई। इसके बाद धमाके की आवाज के साथ सिलिंडर फट गया। आग ने पूरे घर को चपेट में ले लिया और देखते ही देखगे घर में रखा घर गृहस्थी का पूरा सामान व चालीस हजार रुपये जलकर राख हो गए। धमाके से मकान की दीवार गिर गई और आवाज होते ही पूरे मोहल्ले में खलबली मच गई। चीख–पुकार मचने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। घटना में उसकी पत्नी, पड़ोसी सुरेश (60) पुत्र भगवती प्रसाद, भाई हरिहर (50) व आग बुझाने पहुंचे शिव कुमार (45) पुत्र लक्ष्मी प्रसाद झुलस गए। ग्राम प्रधान हर्षवर्धन ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है।

नाली से आगे अतिक्रमण करने और बिना अनुमति अस्थायी फड़ लगाने पर लगेगा जुर्माना

शामली, संवाददाता। शहर के बडा बाजार को विकसित करने के लिए नगर पालिकाध्यक्ष अरविंद संगल ने व्यापारियों के साथ बैठक कर विचार–विमर्श किया। इस दौरान व्यापारियों ने अपने सुझाव रखें। पालिकाध्यक्ष ने कहा नाली से आगे अतिक्रमण करने पर एक हजार रुपये और नगरपालिका की अनुमति के बिना फड़ लगाने पर पांच हजार रुपये जुर्माना वसूल किया जाएगा। शहर के मुख्य बड़ा बाजार के कायाकल्प के लिए रविवार को नगरपालिका सभागार में व्यापारियों की बैठक हुई। इस दौरान व्यापारियों ने सीमेंट की पक्की नाली निर्माण और सुंदरीकरण को लेकर अपने–अपने सुझाव रखें। व्यापारियों ने नाली निर्माण के बाद नाली से आगे सड़क पर किसी भी रूप में सामग्री रखकर अतिक्रमण न करने, नाली तक ही चबूतरा बनाने का सुझाव रखा। इसके अलावा सड़क के बीच में तीन इंच की सफेद पट्टी बनाने का सुझाव रखा ताकि आवागमन एक तरफ से होता रहे। इससे अतिक्रमण से भी काफी हद तक छुटकारा मिलेगा। व्यापारी सुनील कुमार ने नाली का निर्माण

छोटे–छोटे भागों में किए जाने, ठेले वालों को बाजार की सड़क पर खड़ा न होने का सुझाव दिया। व्यापारियों ने छोटी पैड़ी बनाने, सीवर लाइन डालकर नाली समाप्त करने, फुटपाथ बनाने, नाली ज्यादा गहरी न बनाने का और ई–रिक्शा के लिए वन वे करने का सुझाव दिया गया। पालिकाध्यक्ष अरविंद संगल ने बताया कि नाली से आगे अतिक्रमण पाया जाता है तो एक हजार रुपये का चालान होगा। उन्होंने कहा कि व्यापारियों के सुझाव को ध्यान में रखते हुए बडा बाजार में विकास कार्य कराए जाएंगे। नाली निर्माण छोटे–छोटे हिस्सों में गुणवत्तापरक व कम गहराई में किया जाएगा। सड़क की खोदाई कर पुनः निर्माण करते हुए चार इंच सड़क उभारी जाएगी और नालियों पर स्लेब रखे जाएंगे। नाली से पीछे तीन फुट चौड़ाई में पैड़ी बनाई जाएगी। सफाई व्यवस्था के लिए नालियों के बीच में मेन हाल निर्मित कराए जाएंगे। वन–वे के लिए व्यापारियों की कमेटी बनाई जाएगी जो संचालन निर्णय भी लेगी। पालिकाध्यक्ष ने कहा त्योहार के सीजन में अस्थायी फड़ लगाने वालों को पालिका से अनुमति लेनी होगी और तीन फुट से अधिक फड़ नही लगाया जाएगा। यदि तीन फुट से अधिक फड़ लगता है, तो पांच हजार रुपये जुर्माना लगाया जाएगा। जो व्यापारी अपनी दुकान के बाहर फड़ के रूप में किराया वसूल करते है, उनसे कर (टैक्स) लिया जाएगा। पालिकाध्यक्ष ने बताया बड़ा बाजार में खराब हैंडपंप को हटाने, सब्जी पुल के पास सुंदरीकरण के लिए विद्युत खंभा लगाकर लाइट लगाई जाएगी। इस दौरान संजय संगल, सुमित बंसल, शिवांक गर्ग, अंकित मित्तल, अमित जैन, सुनील जैन, नरेशचंद जैन, महिपाल सिंह, अपूर्वा संगल, हर्षित मित्तल, रूपेश गुप्ता, मनीष कुमार, दीपक मित्तल, मनोज मित्तल आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में 1304 मरीजों को मिला उपचार

शामली, संवाददाता। जिले में सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री आरोग्य मेला आयोजित किया गया। आरोग्य मेले में 1304 मरीजों की जांच कर उपचार दिया गया। इस दौरान गर्मी के कारण बुखार, नजला, खांसी और त्वचा रोग से संबंधित मरीज ज्यादा रहे। इस दौरान आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों के 71 गोल्डन कार्ड बनाए गए। रविवार को 25 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री आरोग्य मेला आयोजित हुआ। आरोग्य मेले में सुबह से ही मरीज पहुंचने शुरू हो गए थे। चिकित्सकों व स्वास्थ्यकर्मियों ने मरीजों की जांच कर दवा दी। शामली के मोहल्ला बरखंडी स्थित अरबन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर 54 मरीजों की जांच कर दवा दी गई। मोहल्ला पंसारियान स्थित अरबन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र 49 मरीजों की जांच कर उपचार दिया गया। इस दौरान ज्यादातर मरीज गर्मी के कारण बुखार, नजला, खांसी और त्वचा रोग संबंधी मरीज आए।

इसके अलावा पेट दर्द, शरीर के जोड़ों में दर्द आदि के मरीज भी आए। चिकित्सकों ने मरीजों की जांच की और उन्हें दवा उपलब्ध कराई। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 368 पुरुष, 591 महिला और 345 बच्चे यानि कुल 1304 मरीज उपचार कराने पहुंचे। इस दौरान आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों के 71 गोल्डन कार्ड बनाए गए। ऊन के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर 19 और पिंडोरा पीएचसी पर 11 मरीजो की जांच कर दवाई दी गई। भीषण गर्मी में ज्यादातर मरीज उल्टी दस्त, बुखार,खांसी के और कुछ त्वचा रोग से पीड़ित आए। मौसम में बदलाव के चलते इस समय बुखार, खांसी जुकाम का प्रकोप चल रहा है। सभी मरीजों को जांच के बाद उपचार दिया गया। चिकित्सक डॉ. संजू दहिया ने बताया कि गर्मी बढ़ने से बीमारी बढ़ रही है। ज्यादातर मरीज डायरिया, खांसी, नजला, जुकाम व कुछ त्वचा रोग के मरीज आए। ऊन में डॉ. संजू दहिया, डॉ. शशिकांत, फार्मासिस्ट मनोज, तेजवीर, स्टाफ नर्स वर्षा, शगुन व पिंडोरा में डॉ. प्रदीप व फार्मासिस्ट नवल किशोर मौजूद रहे।

अलग-अलग दो स्थानों पर लगी आग से जला सामान

शामली, संवाददाता। शहर के धीमानपुरा स्थित निजी अस्पताल के जेनरेटर में आग लग गई। दमकल की गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। उधर, गांव गंदेवड़ा में घर में आग लगने से कीमती सामान जल गया। शहर के मोहल्ला धीमानपुरा स्थित निजी अस्पताल की छत पर रखे जेनरेटर में शनिवार देर रात आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलने पर दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और पानी डालकर आग पर काबू पाया। उधर, थाना गढ़ीपुख्ता क्षेत्र के गांव गंदेवड़ा के ग्राम निवासी जोगेंद्र ने बताया वह राजमिस्त्री का कार्य करता है। शनिवार कि रात्रि में अपने परिवार के साथ दो मंजिला मकान पर सोया हुआ था। देर रात में जलने की गंध आने से सभी की आंखें खुली तो देखा की नीचे कमरे में आग की लपटे उठ रही थी। आस–पडोस के लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया। आग से बच्चों के शैक्षिक प्रमाण पत्र सभी के आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, बैंक समेत सभी कागज, कपड़े, नकदी व कीमती सामान जल गया।

बाइक चोरी

मोहल्ला आलकला निवासी वसीम अहमद ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि शनिवार शाम करीब पांच बजे उसने बाइक मायापुर रोड पर स्थित ईंट भट्टे के पास अपने खेत पर खड़ी कर रखी थी। इस दौरान उसकी बाइक चोरी कर ली। पुलिस ने तहरीर लेकर कार्रवाई शुरू कर दी।

तीन विद्युत उपकेंद्रों में कहीं तार जले तो कहीं उपकरण

बांदा, संवाददाता। बिजली कटौती से पूरा शहर प्रभावित रहा। तुलसीनगर, भूरागढ़ और पीलीकोठी विद्युत उप केंद्रों में ओवरलोड से कहीं फ्यूज उड़े तो कहीं उपकरण फुंक गए। इससे पूरी रात लोग बिजली को तरसते रहे। रविवार को भी पीलीकोठी से जुड़े करीब छह मोहल्लों में घंटों बिजली नहीं आई। बिजली कटौती के कारण व्यवस्था बिगड़ती देख मुख्य अभियंता खुद पीलीकोठी उप केंद्र पहुंचे। एक्सईएन से लेकर अधीक्षण अभियंता को फटकार लगाई और सुधार के लिए कड़ी चेतावनी दी। पीलीकोठी विद्युत उप केंद्र से जुड़े गुलाब बाग, खाईंपार, टेलीफोन टावर, जिला पंचायत, अलीगंज, नवाबटैंक आदि मोहल्लों की शनिवार की रात करीब 12 बजे बिजली गुल हो गई। भीषण गर्मी में परेशान लोगों ने अधिकारियों को फोन किया तो उन्होंने उठाया नहीं। लाइनमैन ने बताया कि ओवरलोड के चलते उपकेंद्र की मशीन में फाल्ट है व पावर ट्रांसफार्मर का फ्यूज चला गया है। यहां के लोग रात भर गर्मी में घूमते रहे, पर बिजली नहीं आई। इसी तरह भूरागढ़ उपकेंद्र में मुख्य लाइन का तार जलने से सुबह चार बजे बिजली चली गई। खुटला, निम्नीपार, छोटी बाजार के उपभोक्ता जेई व एसडीओ के रात भर फोन मिलाते रहे, पर फोन नहीं उठा। यहां सुबह सात बजे बिजली आई। शंकर नगर (लोहिया पुल), अतर्रा चुंगी, कालूकुआं में डीआर पब्लिक स्कूल के आसपास व कटरा में किरन कॉलेज चौराहे के पास साढ़े 11 बजे रात बिजली गुल हुई तो सुबह तक नहीं आई। महेश्वरी देवी मंदिर रोड में बैंक ऑफ बड़ौदा के पास बंच केबल जल गया। यहां की करीब दस हजार की आबादी रात में गर्मी से बिलबिलाती रही इसी तरह कोतवाली रोड, स्टेशन रोड, बबेरू रोड कालूकुआं में पूरी रात लाइट आती जाती रही और लोगों को जागना पड़ा।

निरीक्षण के दौरान ट्रांसफार्मर में कम मिला तेल

पीलीकोठी उपकेंद्र में व्यवस्था बिगड़ते देख बिजली विभाग के मुख्य अभियंता आरिफ अहमद खुद रविवार को दोपहर पहुंच गए। यहां उन्होंने अपनी उपस्थिति में एसडीओ और अन्य कर्मचारियों के साथ उपकरणों व ट्रांसफार्मरों को देखा। अधीक्षण अभियंता से फोन पर सवाल किया कि पीलीकोठी का निरीक्षण कब से नहीं किया और ट्रांसफार्मर में तेल कम कैसे है। घर में आराम करने के बजाए व्यवस्था सुधारिए नहीं कार्रवाई होगी। इसके बाद उन्होंने अपने कार्यालयों में सभी अभियंताओं के साथ बैठक की और बिजली कटौती के संबंध में जानकारी ली। उनके दायित्व याद दिलाए और चेतावनी भी दी।

एमडी के निर्देश किनारे, नहीं उठता फोन

दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के एमडी अमित किशोर ने शनिवार को बैठक में बिजली विभाग के अफसरों को सख्त चेतावनी दी थी। बिजली व्यवस्था में सुधार के साथ उपभोक्ताओं के फोन उठाने व उनकी समस्या का तत्काल निस्तारण कराने के निर्देश दिए थे। उनके जाते ही निर्देश किनारे हो गए। पीलीकोठी एसडीओ ने न तो उपभोक्ताओं का फोन उठाया और न ही मीडिया वालों का। इसी तरह ग्रामीण व नगरीय क्षेत्र के एक्सईएन भी सिर्फ अपने अफसरों का फोन उठाते हैं। ज्यादा गर्मी होने की वजह से पुराने तारों में फाल्ट हो रहे हैं। ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाई गई है।

एचटी लाइन में शार्ट सर्किट से झाड़ियों में लगी आग

कानपुर, संवाददाता। पनकी के न्यू ट्रांसपोर्टनगर के सामने रेलवे लाइन के ऊपर से निकली हाईटेंशन लाइन में शार्ट सर्किट से निकली चिंगारी से झाड़ियों में आग लग गई। हवा तेज होने के कारण लपटों ने रेलवे लाइन के किनारे बनी टायर, मोबिल ऑयल और एक ढाबा को चपेट में ले लिया। लपटें और धुआं आसामान में छा गया। सूचना पर शहर के फायर स्टेशनों से 15 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मी तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग बुझा सके। आग से करीब 30 लाख रुपये का नुकसान का अनुमान है। आग ने रेलवे लाइन के किनारे स्थित शालू सिंह का दद्दा के होटल और गंगागंज निवासी हरीशचंद्र दुबे की रोहित लुब्रिकेटिंग ऑयल और उसके आगे स्थित अमजद की पुराने टायरों के गोदाम को चपेट में ले लिया। कुछ ही देर में मोबिल ऑयल व टायर जलने से धुआं और लपटें आसमान में फैल गईं। सूचना पर घटना स्थल से मात्र पचास मीटर की दूरी पर पड़ाव सब स्टेशन से दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन टैंकर में पानी खत्म हो गया।

बगल में स्थित धुलाई सेंटर से पानी लेने की कोशिश की गई। इस बीच विद्युत आपूर्ति बंद करवा दी गई। इसके बाद फजलगंज, मीरपुर, किदवईनगर, कर्नलगंज फायर स्टेशन से दमकल की 15 गाड़ियों को बुलाया गया। दमकलकर्मी आग बुझाने की कोशिश कर रहे थे, तभी रोहित लुब्रिकेटिंग ऑयल की दुकान में रखे फटने लगे। इसके बाद लगभग 25 टैंकर पानी से लगभग तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग को पूरी तरह से बुझा ली गई है। आग लगने के कारणों की जांच कराई जाएगी। वहीं पीड़ित दुकानदारों का कहना है कि रेलवे लाइन के ऊपर से निकली तारों से निकली चिंगारी से उन लोगों की दुकानें जली हैं। टायर दुकानदार के मुताबिक आग से उनका 15 लाख, मोबिल दुकानदार के मुताबिक 4000 से ज्यादा लीटर मोबिल ऑयल जलने से 12 लाख और ढाबा मालिक से अनुसार उसका भी पूरा ढाबा जलकर बर्बाद हो गया है।

नौ माह की गर्भवती पत्नी से हैवानियत

आगरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में हैवानियत की ऐसी घटना सामने आई है, जिसे जानकर कांप जाएंगे। हैवान बने पति ने नौ माह की गर्भवती से जबरन शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता की चीखों को भी उसने नहीं सुना। गर्भवती की हालत बिगड़ गई। जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। यहां गर्भवती की हालत गंभीर देख डॉक्टर ने उसे आईसीयू में भर्ती कर लिया है। थाना शाहगंज के साकेत अस्पताल में नौ माह की गर्भवती महिला को लाया गया। उसकी हालत खराब थी।

डॉक्टर ने उसे तत्काल ही आईसीयू में उपचार के लिए भर्ती कर लिया। अस्पताल पहुंचे मायके वालों ससुराल वालों ने मारपीट कर दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। इसके बाद मामले की हकीकत सामने आई। बताया गया है कि गर्भवती महिला अपने मायके जाने की जिद कर रही थी। इसी को लेकर पति ने उसके साथ जबरन संबंध बनाए, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। इसके बाद उसे अस्पताल लाने की जगह घर में ही कई तरह की दवाएं खिलाई गईं। जब आराम नहीं मिला तो उसे अस्पताल लाया गया। घटना की जानकारी के बाद पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। वहीं गर्भवती महिला का उपचार चल रहा है। डॉक्टर उसकी हालत चिंता जनक बता रहे हैं।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में मारी टक्कर, पत्नी की मौत

मैनपुरी, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में सोमवार को तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में पत्नी की मौत हो गई। जबकि पति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा देख आसपास लोग जमा हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। बिछवां थाना क्षेत्र के देवगंज गांव निवासी प्रताप सिंह वर्तमान में शहर के मोहल्ला अवध नगर में पत्नी नीरज कुमारी (55) के साथ रह रहे थे। सुबह वह पत्नी को साथ लेकर जनपद एटा के मलावन पूजा करने के लिए जा रहे थे। कुरावली थाना क्षेत्र के स्टेट बैंक के पास तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। हादसे में नीरज कुमारी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।